INDEX

Sr. No.	Topic	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	**Micro Teaching Lessons**			
1.	सन्धि व उसके भेद	10-1-12	1-4	
2.	रामायण	11-1-12	5-8	
3.	व्यञ्जन सन्धि	12-1-12	9-12	
4.	संस्कृत भाषाया महत्वम्	13-1-12	13-16	
5.	पर्यावरण सुरक्षा	16-1-12	17-20	
2)	**Mega Lessons**			
1.	विद्या की महिमा	18-1-12	25-30	
2.	जटायोः शौर्यम्	19-1-12	31-36	
3.	समास (अव्ययीभाव)	20-1-12	37-42	
4.	कारक	21-1-12	43-48	
5.	बाणभट्ट का जीवन	23-1-12	49-54	
3)	**Discussion Lesson-I**			
	प्रत्यय व प्रत्यय के प्रकार	24-1-12	61-68	
4)	**School Teaching Practice Lessons**	03-02-12	69-79	
1.	अलंकार परिचय	03-02-12	75-80	
2.	सन्धि	04-02-12	81-86	
3.	सर्वनाम	08-02-12	87-92	
4.	कारक-विभक्ति	09-02-12	93-98	
5.	लालनगीतम्	10-02-12	99-104	
6.	वायुविहार	13-02-12	105-110	
7.	कल्पलतेव विद्या	14-02-12	111-116	
8.	समवायो हि दुर्जय	15-02-12	117-122	
9.	उपसर्ग	16-02-12	123-128	
10.	बाहुय	17-02-12	129-134	
11.	सुभाषितम्	18-02-12	135-140	
12.	मूर्ख मित्रम	21-02-12	141-146	
13.	चतुर वानर!	22-02-12	147-152	
14.	नीति वचनम्	22-02-12	153-158	
15.	महाकवि दण्डी	23-02-12	159-164	
16.	भारत वर्षम्	24-02-12	165-170	
17.	प्रभातवर्णनम	25-02-12	171-176	
18.	श्रीमद्भगवत गीता	27-02-12	177-182	
19.	प्रत्यय	28-02-12	183-188	
20.	[illegible] सन्धि	29-02-12	188-194	
5)	**Discussion Lesson-II**			
	कारक - विभक्ति	6-3-12	195-200	
6)	**Observation Lessons**	4-2-12 to 25-2-12	200-210	
7)	**School Report**			

MICRO TEACHING LESSONS

Lesson No : I

Date 10-10-12
Duration of the period 6 मिनट
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 9th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic सन्धि व उसके भेद

व्याख्या कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
सन्धि का अर्थ है जोड़ या मेल ! दो वर्णों की अत्यन्त समीपवर्ती के कारण उनमें जो परिवर्तन होता होता है उसे सन्धि कहते है। जैसे- यदि + अपि = यद्यपि इ के स्थान पर 'य्' का आदेश हुआ है।	
दो वर्णों की अत्यन्त समीपवर्ती के कारण उनमें जो परिवर्तन होता है उससे क्या कहते है।	सन्धि
सन्धि को तोड़ने कि क्रिया को सन्धि-विच्छेद कहते है जगदीश का विच्छेद होगा= जगत्+ईशः।	

छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
सन्धि - विच्छेद किसे कहते है ?	सन्धि को तोड़ने कि क्रिया को सन्धि-विच्छेद कहते है। जैसे → सज्जनः का विच्छेद होगा सत्+जन ।
सन्धि के मुख्यत: तीन भेद है (1) स्वर सन्धि (2) व्यञ्जन सन्धि (3) विसर्ग सन्धि ।	
सन्धि के मुख्यत: कितने भेद है ?	तीन ।
(1) स्वर सन्धि :→ जहाँ किसी स्वर वर्ण कि दूसरे वर्ण के साथ सन्धि हो उससे स्वर सन्धि कहते है। जैसे - रमा + ईशः = रमेशः ।	
स्वर सन्धि का कोई उदाहरण दीजिए?	यदि+ अपि = यद्यपि

छात्र-अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(2) व्यञ्जन सन्धि – जहाँ किसी व्यञ्जन वर्ण कि किसी व्यञ्जन वर्ण की अथवा स्वर वर्ण के साथ सन्धि हो उससे व्यञ्जन सन्धि कहते है जैसे – सत् + जनः = सज्जन (सज्जन)	
व्यञ्जन सन्धि का कोई एक उदाहरण दीजिए ?	वाक् + ईशः = वागीश
(3) विसर्ग सन्धि :→ जब विसर्ग कि किसी व्यञ्जन अथवा स्वर के साथ सन्धि हो उसे विसर्ग सन्धि कहते हैं। जैसे :– नमः + ते = नमस्ते	
विसर्ग सन्धि का कोई उदाहरण दीजिए ?	रामः + इच्छति = रामइच्छति निः + चल = निश्चल ।

	वांछित घटक	रैटिंग
(1)	प्रस्तावना कथनो का प्रयोग	0 1 [✓ 2] 3 4 5 6
(2)	निरन्तरता	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(3)	भाषा प्रवाह	0 1 2 3 [✓ 4] 5 6
(4)	व्याख्या सेतु	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(5)	उपयुक्त शब्द	0 1 2 3 [✓ 4] 5 6
(6)	रुचिकर	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(7)	प्रश्नों को पूछना १	0 1 2 3 [✓ 4] 5 6

	अवांछित घटक	रैटिंग
(1)	निरर्थक कथनों का प्रयोग	[✓ 0] 1 2 3 4 5 6
(2)	कथनों में निरन्तरता	[✓ 0] 1 2 3 4 5 6
(3)	प्रवाहियता का अभाव	[✓ 0] 1 2 3 4 5 6
(4)	निरर्थक एवं अस्पष्ट	[✓ 0] 1 2 3 4 5 6
(5)	शब्दों का प्रयोग	[✓ 0] 1 2 3 4 5 6
(6)	बिना अवसर मुहावरों का प्रयोग	[✓ 0] 1 2 3 4 5 6

Lesson No : 2

Date 11 – 10 – 2012
Duration of the period 6 मिनट
Pupil Teacher's Name
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 6th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic रामायण

प्रश्न कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
बच्चों ये बताओ रामायण में किसका वर्णन सबसे ज्यादा हुआ है ?	राम का
मर्यादा पुरुषोतम कम् कथ्यते?	श्री राम-चन्द्रस्य
श्री राम-चन्द्रस्य जन्म कुत्र अभवत् ?	अयोध्या नगरी
श्री रामचन्द्रस्य पितुः नाम किम् अस्ति ?	महाराजा दशरथः
श्रीराम -चन्द्रस्य माता नाम किम् अस्ति ?	महारानी कौशल्या,
तस्ये अन्ये भ्रातरः भरत, लक्ष्मणः शत्रुहनश्च अभूवन् तेऽपि दिव्यविभूतय आसन्	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
श्रीरामचन्द्रस्य कति भ्रातर: आसीत् ?	त्री भ्रातर: आसीत् ।
श्री रामचन्द्रस्य प्राणप्रिया पत्नी क: आसीत् ?	सीता श्रीरामचन्द्रस्य प्राणप्रिया पत्नी आसीत् ।
रामायणम् प्रणेता: क: वर्तते ?	रामायणम् प्रणेता वाल्मीकि वर्तते ।
रामायणम् महाकाव्ये कस्य चरित्रं समुपनिबद्धम् ?	भगवतो रामचन्द्रस्य
रामायणम् महाकाव्ये कति काण्डानि सन्ति ?	रामायणम् महाकाव्ये सप्त काण्डानि सन्ति ।
तस्य काण्डानि नाम किम् ?	बालकाण्डम्, अयोध्याकाण्डम् अरण्यकाण्डम्, किष्किन्धाकाण्डम् सुन्दरकाण्डम् उतरकाण्डम् इति सन्ति ।

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ
रामायणम् नाम कीदृश काव्यम् अस्ति ?	रामायणम् नाम भारतीयनाम राष्ट्रीय महाकाव्यम् अस्ति ।
रामः अयोध्याया कीं साकं वनम् अगच्छत् ?	राम अयोध्याया लक्ष्मणेन सीतया च साकं वनम् अगच्छत् ।
हनुमानः कः अस्ति ?	श्री रामस्य परम् भक्त अस्ति ।
सीताया अपहृत कः अकरोतः ?	रावणः
रावणस्य धर्मपत्नि नामः किम् ?	मन्दोदरी
रावणस्य वधः कः अकरोत् ?	श्री रामचन्द्रः ।

क्रम सं०	घटक	रैटिंग
(1)	सार्थकता	0 1 2 3 [✓ 4] 5
(2)	संक्षिप्तता	0 1 2 [✓ 3] 4 5
(3)	विशिष्टता	0 1 2 3 [✓ 4] 5
(4)	स्पष्टता	0 1 2 3 4 [✓ 5]
(5)	व्याकरणीक शुद्धता	0 1 2 3 [✓ 4] 5
(6)	प्रश्नों का प्रस्तुतीकरण	0 1 2 3 [✓ 4] 5

Lesson No :...3:..........

Date 12-10-2012

Duration of the period 6 मिनट

Pupil Teacher's Name प्रीति

Pupil Teacher's Roll No 729

Class 9th

Average Age of the pupils

Subject संस्कृत

Topic व्यञ्जन सन्धि

उदाहरण कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
अच्छा बच्चों जैसा कि आप जानते है कि सन्धि का अर्थ है मेल या जोड़ । जब दो शब्दों के वर्ण परस्पर मिलकर एकरूप हो जाते है तो उसे सन्धि कहते है । सन्धि के तीन भेद है - (i) स्वर सन्धि (ii) व्यञ्जन सन्धि (iii) विसर्ग सन्धि	
सन्धि के कितने भेद है ?	तीन
अच्छा बच्चों आज हम व्यञ्जन सन्धि के बारे में अध्ययन करेगें ।	

छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
व्यञ्जन सन्धि → व्यञ्जन के बाद जब किसी व्यञ्जन या स्वर वर्ण के आजाने पर व्यञ्जन में जो विकार होता है। तब उसे व्यञ्जन सन्धि कहते हैं। उदाहरण — मनस् + चलति = मनश्चलति (स्+च् = श्च्) रामस् + शेते = रामश्शेते (स्+श् = श्श्)	
व्यञ्जन सन्धि का कोई उदाहरण दीजिए ?	सत् + चरितम् = सच्चरितम् सद् + जनः = सज्जनः
व्यञ्जन सन्धि के छः प्रकार हैं। (1) श्चुत्व सन्धि (2) ष्टुत्व सन्धि	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
(3) चर्त्व सन्धि	
(4) अनुस्वार सन्धि	
(5) लत्व सन्धि	
(6) जश्त्व सन्धि	
व्यञ्जन सन्धि के कितने भेद है ?	छः
श्चुत्व सन्धि → स्तोः श्चुना श्चुः जब सकार या तवर्ग को शकार या चवर्ग योग मिलता है तब सकार के स्थान में शकार और तवर्ग के स्थान में चवर्ग हो जाता है। उदाहरण → रामस् + शेते = रामश्शेते सत् + चित् सच्चित् ।	
श्चुत्व सन्धि का उदाहरण दीजिए ?	उत् + चारणम् = उच्चारणम् राज् + नः = राज्ञः

	घटक	रेटिंग स्केल
(1)	सम्बन्धित उदाहरणों का निर्माण	0 1 [✓ 2] 3 4 5 6
(2)	सरल उदाहरणो का निर्माण	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(3)	रोचक उदाहरणों का निर्माण	0 1 [✓ 2] 3 4 5 6
(4)	उदाहरणों के लिए उचित माध्यमों का प्रयोग	0 1 2 3 [✓ 4] 5 6
(5)	आगमन और निगमन उपागमों का प्रयोग	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6

Lesson No :....4..........

Date..13- 10- 12.

Duration of the period.......6 मिनट.......

Pupil Teacher's Name.......प्रीति.......

Pupil Teacher's Roll No.......729.......

Class.......8th.......

Average Age of the pupils..................

Subject.......संस्कृत.......

Topic.......संस्कृत भाषाया महत्वम्

उद्दीपन कौशल

छात्रा-ध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा-क्रियाएँ
हमारे जीवन में संस्कृत भाषा का कितना महत्व है। कोई भी मनुष्य ऐसा नहीं है जो अपना आत्मा से भारतीय हो और संस्कृत को न स्वीकृत करता हो, संस्कृत को न स्वीकृत करता हो संस्कृत के महत्व से कोई भी भारतीय अनजान नहीं है संस्कृत भाषा भारत की प्राणभूत भाषा है। प्राचीन काल में संस्कृत भाषा को सम्पर्क भाषा का गौरव प्राप्त है। संस्कृत भाषा ने सम्पूर्ण भारत को एकसूत्र में बाँध रखा है।	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भारत की प्राणभुत भाषा कौन-सी है? (बहुत अच्छा)	संस्कृत भाषा
कौन-सी भाषा ने सम्पुर्ण भारत को एकसूत्र में बाँधा रखा है? (शाबास)	संस्कृत भाषा
संस्कृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है। संस्कृत भाषा में अनेक सर्वोत्कृष्ट-साहित्य लिखे गए हैं संस्कृत भाषा सभी भारतीय-आर्य भाषाओं की जननी है इसकी भाषा सरल व सुबोध है। इसका व्याकरण बहुत ही समृद्ध है और नियमबद्ध है विश्व के प्राचीन ग्रन्थ चार वेद सभी संस्कृत भाषा में वर्णित है। संस्कृत भाषा का अध्ययन	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
मात्र से सद्विचार स्वयं मनुष्य में उत्पन्न हो जाते है।	
संस्कृत भाषा विश्व की कैसी भाषा है?	सबसे प्राचीन भाषा है।
(शाबास)	
विश्व के प्राचीन ग्रन्थ किस भाषा में लिखे गए है?	संस्कृत भाषा में।
(बहुत अच्छा।)	
यह भाषा भारतीय संस्कृति व अखण्डता की संरक्षक है इसी भाषा में भारतीयों की समस्त धर्म व कर्मकाण्ड अभी तक सम्पादित किए जाते है यह धर्म संरक्षिका के रूप में भी महत्वपूर्ण है।	
संस्कृत भाषा किसकी संरक्षक है?	धर्म की
(शाबास)	

	घटक	रेटिंग स्केल
(1)	शरीर संचालन	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(२)	छात्र हाव-भाव	0 1 2 3 [✓ 4] 5 6
(3)	आवाज का उतार-चढ़ाव	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(4)	भावों का केन्द्रियकरण	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(5)	शिक्षक विद्यार्थी में अन्तः क्रिया के प्रारूप में परिवर्तन	0 1 2 3 [✓ 4] 5 6

Lesson No : 5

Date 16-10-12
Duration of the period 6 मिनट
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 9th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic पर्यावरण सुरक्षा

(पुनर्बलन कौशल)

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
छात्राः भगवता मनुष्यस्य कल्याणाय किं रचना कृता ? (बहुत अच्छा)	पर्यावरणस्य
विध्वंसः पर्यावरण सुरक्षां सङ्कटे पातयति ? (शाबाश)	वनानां
भगवता मनुष्यस्य प्राणिमात्रस्य कल्याणाय पर्यावरणस्य रचना कृता, प्रकृतिः तद्गताः चेतनाः अचेतनाः च पदार्थाः पर्यावरणं सम्पादयन्ति पर्यावरणस्य एव अयं प्रभाव यद् मानवः स्वस्थः भवितुम् अर्हति, यदि पर्यावरणस्य सुरक्षां न भवति	

छात्राध्यापिका-क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
तदा मानव जीवनस्य विनाशः ध्रुवः एवं ।	
वनानां किं लाभ भवति?	(1) वर्षाः वर्षति, (2) वनानां फलं प्राप्यते (3) काष्ठं प्राप्यते ।
(बहुत अच्छा)	
वनानां अनेकानी फलं प्रदुत्वा, वर्षाः वर्षति, काष्ठं प्राप्यते, शुद्ध वायुः निर्मलः जलः प्रदत्वा, अनेक रोगाः रक्षा क्रियते, नगरेषु	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
तैलवाहनानां धूमैः पर्यावरणस्य विक्षोभः क्रियते वनविध्वसनस्य अयं परिणामः यत- समये पर्जन्यः न वर्षन्ति ।	
वनानां किम्- 2 प्राप्यते ?	अनेकानी प्रकारेण फलं पुष्पः प्राप्यते, निर्मलः जलः, वायुः औषधिः काष्ठं इति
(शाबास)	
यदि पर्यावरस्य सुरक्षा न भविष्यति तद् किम् भवति ?	यदि पर्यावरणस्य सुरक्षा न भविष्यति तद महांमृत्यु स्वतोऽव भवति ।
(बहुत अच्छा)	
वनविध्वसनस्य अयं परिणामः यत- समये पर्जन्यः न भवति नभसि मेघाः पर्यावरण परिक्षताः सन्ति, न गजगमनं भ्रमन्ति, विविधा रोगा पर्यावरण प्रदूषजतया समुज्जृम्भन्ते, अतः अद्य सर्वे देशाः पर्यावरण सुरक्षा-याः उपायाः अन्वेषणीयाः सन्ति। इस प्रकार वन हमारे लिए बहुत-सी वस्तुए प्रदान करते है। अतः हमें पर्यावरण की सुरक्षा करनी चाहिए	

	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1)	अद्य सर्वे देशाः किम् उपायाः अन्वेषणीया सन्ति ?	अद्य सर्वे देशाः पर्यावरण-सुरक्षायाः उपाया अन्वेषणी सन्ति ।

घटक	रेटिंग स्केल
(1) स्वीकारात्मक कथनों का प्रयोग	0 1 [✓ 2] 3 4 5 6
(2) हाव-भाव व अन्य का सर्वाधिक प्रयोग	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(3) विद्यार्थियों के सभी संकेतों को श्यामपट्ट पर लिखना	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6
(4) विद्यार्थियों के सुझावों का समर्थन	0 1 2 3 [✓ 4] 5 6
(5) पुनर्बलन का उपयुक्त प्रयोग	0 1 2 [✓ 3] 4 5 6

MEGA TEACHING LESSONS

Lesson No : 1

Date 18-1-2012
Duration of the period 35 मिनट
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 6th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic विद्यामहिमा

अनुदेशात्मक उद्देश्य

(1) विद्यार्थी विद्या की महिमा को पहचानने की योग्यता रखते हैं

(2) विद्यार्थी विद्या की महिमा का प्रत्यास्मरण करने ~~की~~ योग्य~~ता~~ ~~रखते हैं~~ हो जाएँगे ।

(2) बोधात्मक उद्देश्य →

(1) विद्यार्थी विद्या की महिमा से सम्बन्धित उदाहरण देने ~~कि~~ के योग्य~~ता~~ ~~रखते~~ हैं व हो जाएँगे

(2) विद्यार्थी विद्या से सम्बन्धित विषय का अर्थ बताने ~~कि~~ के योग्य~~ता~~ ~~रखते~~ ~~हैं~~ हो जाएँगे ।

(i) विद्यार्थी विद्या से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण ~~की~~ ~~कि योग्यता रखते हैं~~ । कर सकेंगे ।

(ii) विद्यार्थी विद्या से सम्बन्धित विषय का निष्कर्ष निकालने ~~की~~ योग्य~~ता~~ ~~रखते हैं~~ हो जाएँगे ।

(i) विद्यार्थी विद्या का संश्लेषण ~~करने की योग्यता रखते है।~~ कर सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी विद्या का मूल्यांकन ~~करने की योग्यता रखते है।~~ कर सकेंगे।

(i) सामान्य **सहायक सामग्री** → चौक, संकेतक, श्यामपट्ट डस्टर।

(ii) विशिष्ट " "

'egistration
d in the brai

छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
इस संसार में सबसे अनमोल खजाना क्या है?	हीरा, मोती, सोना, चाँदी और अन्य वस्तुएँ)
मानवता का सबसे बड़ा गुण कौन-सा है?	मानवता
मानव के और कौन-2 से गुण होते है।	दया, दान, विद्या आदि।
सभी गुण किससे प्रकाशित होते है।	विद्या

उपविषय की घोषणा :→

अच्छा बच्चों । आज हम विद्या की महिमा के विषय में अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पद्य	विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम् । पात्रत्वाद्धन माप्नोति धनद्धर्मं तह् सुखम् ॥	
हिन्दी अनुवाद	विद्या विनम्रता प्रदान करती है विनम्रता से योग्यता मिलती है । योग्यता से धन और धन से धर्म मिलता है और धर्म से सुख मिलता है ।	
प्रश्न	विद्या किं ददाति ?	विद्या ददाति विनयं ।
पद्य	अपूर्वः कोऽपि कोषोऽयं विद्यते तव भारति । व्ययतो वृद्धिमाप्नोति क्षयमायाति सञ्चयात ॥	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हिन्दी में व्याख्या	हे सरस्वती माँ ! आपका खजाना सभी खजानों में अनोखा है जो खर्च करने से बढ़ता है और संचय करने से घटता है।	
प्रश्न →	व्यये कृते किम् वर्धते ?	विद्या
पद्य	विद्वत्वं न नृपत्व च नैव तुल्यं कदाचन स्वदेशं पूज्यते राजा विद्वानं सर्वत्र पूज्यते	
हिन्दी अनुवाद-	विद्वान और राजा दोनों कभी भी एक समान नही होते क्योंकि राजा तो अपने देश में पूजा जाता है। जबकि विद्वान की सभी जगह पूजा होती है।	
प्रश्न –	'पूज्यते' इति क्रियायाः कः कर्ता ?	राजा विद्वान् च

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पद्य	किं कुलेन विशालेन विद्याहीनस्य देहिन: अकुलीनोऽपि विद्या वान्देवैरापि स: पूज्यते ॥	
हिन्दी अनुवाद-	जो व्यक्ति अनपढ़ है और बड़े कुल में उत्पन्न हुआ तो क्या लाभ, परन्तु जो निम्न परिवार में उत्पन्न हुआ और विद्या से युक्त है। तो उसकी देवताओं के द्वारा पूजा की जाती है।	
प्रश्न-	सर्वप्रधानम् धनम् किम्?	विद्या
प्रश्न	कोऽपि का सन्धिविच्छेद भवति ?	को: अपि
प्रश्न-	विद्या किं ददाति	विद्या ददाति विनयं

पुनरावृति →

प्र01 व्यये कृते किं वर्धते ?

प्र02 स्वराज्ये कः पूज्यते ?

प्र03 देवे कः पूज्यते ?

प्र04 सर्वप्रधानम् धनम् किम्

गृहकार्य :—

प्र01 प्र0 I सभी श्लोको की सप्रसंग व्याख्या अपनी कोपी में नोट करके और याद करके लेकर लाओगे ।

Lesson No : 2

Date 19-1-12 Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 7th Average Age of the pupils

Subject संस्कृत Topic जटायोः शौर्यम्

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

(i) विद्यार्थी रामायण में वर्णित जटायु को पहचान~~ने~~ ~~की योग्यता रखते है।~~ सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी रामायण का प्रत्यास्मरण ~~करने की योग्यता रखते है।~~ कर सकेंगे।

② बोधात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी रामायण के पात्रों का उदाहरण~~ देने की योग्यता रखते है।~~ दे सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी रामायण का अर्थ बता~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे

(i) विद्यार्थी रामायण का निष्कर्ष निकालने ~~की योग्यता रखते है।~~ योग्य हो जाएँगे

(ii) विद्यार्थी रामायण का कारण ~~बताने की योग्यता रखते है।~~ बता सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी रामायण का विश्लेषण करने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी रामायण का मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है।

(i) सामान्य **सहायक सामग्री** :→ चोक, डैस्टर, संकेतक, श्यामपट्ट

(ii) विशिष्ट " " → ------

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्रा ध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
रामायण के लेखक कौन है?	"आदिकवि वाल्मीकि"
रामायण में किसका चरित्र वर्णित है?	प्रभु राम का
रामायण में कितने काण्ड है?	
रामायण के एक पात्र का नाम बताओ	हनुमान जी
जटायु कौन था?	?

उपविषय की घोषणा :→ बच्चों आज हम रावण के अरण्यकाण्ड से अरे जटायु व रावण के युद्ध के बारे में विस्तारपूर्वक अध्ययन करें

प्रस्तुतीकरण :→

शिक्षण बिन्दु	छात्रा-अध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ
संस्कृत पद्यांश	सा तदा करुणा वाचो विलपन्ती सुदुःखिता। वनस्पतिगतं गृध्रं ददर्शायितलोचना ॥	
सन्दर्भ	प्रस्तुत पद्य-खंड "रामायण" के अरण्यकाण्ड से संकलित जटायोः शौर्यम् से अवतरित है। इसके लेखक महाकवि "महर्षि वाल्मीकि" है। इसमें सीता जटायु को सहायता के लिए कहती है→	
हिन्दी में अनुवाद →	तब करुणामय वाणी से अर्थात् रोती हुई, विलाप करती हुई, अत्यन्त दुःखी बड़े-बड़े नेत्रों वाली उन्होंने (सीताजी ने) पेड़ पर स्थित गिद्धों के राजा जटायु को देखा।	
① प्रश्न —	वनस्पतिगतं किम् ददर्शायित–लोचना सन्ति ?	सीतायांअवलोक गृध्रं वनस गतं।
② प्रश्न -	लोचनं किम् अर्थं सन्ति ?	आँख

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
संस्कृत पद्यांश	तं शब्दमवसुन्तस्तु जटायु रथ शुश्रुवे निरीक्ष्य रावणं क्षिप्रं वैदेही -चददर्शसः॥		
प्रसंग-	प्रस्तुत अवतरण में सीताजी स्वयं का अपहरण करके ले जाते हुए पापी रावण से बचाने के लिए प्रार्थना कर रही है।		
हिन्दी में अनुवाद-	सोते हुए जटायु ने इसके पश्चात उन शब्दों को सुना तथा रावण को दृष्टिपात कर अतिशीघ्र ही उसने सीताजी को देखा,		
प्रश्न-	निरीक्ष्य किम् अर्थं अस्ति ?	देखकर	
संस्कृत पद्यांश	ततः पर्वतश्रृंगाभस्तीक्ष्णतुण्डः खगोत्तमः। वनस्पतिगतः श्रीमान्व्याजहार शुभां गिरम् ॥		

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(संस्कृत) का पद्यांश का प्रसंग	प्रस्तुत पद्यांश में जटायु के व्यक्तित्व के बारे में बताया गया है ।	
हिन्दी में अनुवाद –	इसके बाद पर्वत की चोटी के सदृश आभा वाले तीक्ष्ण चोंच वाले, पेड़ पर स्थित पक्षियों में श्रेष्ठ शोभायमान वह जटायु सुन्दर वाणी में बोला ।	
प्रश्न –	तीक्ष्णतुण्डः किम् अर्थ अस्ति	तीक्ष्ण चों वाले जटायु
संस्कृत पद्यांश	निर्वतय मतिं नीचां परदाराभिमनात् । न तत्समाचरे द्धीरो यत्परोऽस्य विगर्हयते॥	
प्रसंग →	प्रस्तुत पद्यांश में पराईस्त्री के साथ नीच कार्य न करने की जटायु रावण को शिक्षा दे रहा है ।	
हिन्दी में अनुवाद –	नीच बुद्धि को पराई स्त्री के दोष से हटा लो अर्थात दूसरे की पत्नी के साथ नीचता का व्यवहार मत करो, धैर्यवान	

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रिया
	मनुष्य को ऐसा आचरण नहीं करना चाहिए कि पराई स्त्री की निंदा करे अर्थात् धीर-वीर मनुष्य कभी भी दूसरे कि पत्नी की इज्जत के साथ नहीं खेलेगें ।	
प्रश्न –	जटायो ! पश्य" इति का वदति ?	वैदेही वदति ।

पुनरावृति :→

प्र० (1) जटायुः रावणं किं कथयति ?

प्र०2. क्रोधवशात् रावणः किं कर्तुम् उद्यतः अभवत्

गृहकार्य :–

सभी पद्यांशों का अर्थ लिखे व याद करके आऐगें ।

Lesson No : 3

Date 20-1-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 9th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic समास (अव्ययीभाव)

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

(i) विद्यार्थी समास को पहचान~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी समास का प्रत्यास्मरण ~~करने की योग्यता रखते हैं~~। कर सकेंगे।

[redacted]

(i) विद्यार्थी समास के उदाहरण दे~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे

(ii) विद्यार्थी समास का अर्थ बता~~ने हैं~~। सकेंगे।

[redacted]

(i) विद्यार्थी समास से सम्बन्धित विषय का निष्कर्ष निकाल~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी समास से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण ~~करने की योग्यता रखते हैं~~। कर सकेंगे

[redacted]

(i) विद्यार्थी समास का संश्लेषण कर सकेंगे ~~हैं~~

(ii) विद्यार्थी समास का मुल्यांकन कर सकेंगे ~~हैं~~।

सामान्य **सहायक सामग्री →**

चॉक, संकेतक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि

विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्रा-ध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
वर्णो के सार्थक समूह को क्या कहते है?	शब्द
शब्दों के सार्थक समूह को क्या कहते है?	वाक्य
जिस शब्द से किसी कार्य, वस्तु के होने का ज्ञान हो उसे क्या कहते है?	क्रिया
विभक्ति का लोप कर देने पर अर्थ मे कोई परिवर्तन न हो उसे क्या कहते है? इससे हम समास कहते है।	?

उपविषय की घोषणा :→

अच्छा तो बच्चों आज हम समास के विषय में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
समास	दो या दो से अधिक पदों के बीच विभक्ति का लोप कर देने पर अर्थ में कोई परिवर्तन न हों, उसे समस्तपद (समास) कहते हैं। जैसे:→ धनेनहीन= समास विग्रह धनहीन समस्तपद यहाँ धनेन में तृतीया विभक्ति का लोप करके मूल रूप धन के साथ उत्तरपद हीनः को मिलाकर समस्त पद बनाया गया है।	
प्रश्न →	समास कि परिभाषा दीजिए?	दो या दो से अधिक पदों के बीच विभक्ति का लोप कर देने पर अर्थ में कोई परिवर्तन न हों, उसे समस्तपद या समास कहते हैं।
समास के भेद-	संस्कृत व्याकरण में समास के आठ भेद है — (1) अव्ययीभाव (2) तत्पुरुष (3) द्वन्द्व (4) बहुव्रीहि (5) कर्मधारय (6) द्विगु (7) उपपद (8) नञ तत्पुरुष ।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्रश्न →	समास के कितने भेद है ?	आठ
अव्यीभाव समास →	(1) पूर्वपद प्रधान होता है (2) पूर्वपद उपसर्ग या अव्यय होता है।	
(3)	विग्रह पद में पहले संज्ञा पद और अव्यय पद बाद में प्रयोग होते है।	
(4)	समस्त पद में पहले अव्यय पद और संज्ञापदबाद में प्रयोग होते है।	
(5)	शब्द के अन्त में नपुंसकलिंग एकवचन होता है इसलिए दीर्घान्त शब्द भी ह्रस्वान्त हो जाता है	
प्रश्न :-	अव्ययीभाव समास कि कोई एक परिभाषा दीजिए	अव्ययीभाव समास में पूर्वपद प्रधान होता है। और पूर्वपद उपसर्ग या अव्यय होता है
आ की अ	अकारान्त व आकारान्त शब्दों को नपुंसकलिंग एकवचन हो जाता है,	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
	यहाँ आ को ह्रस्व अ हो गया ।	
	अकारान्त शब्दों को नपुंसकलिंग में कौन स वचन होता है?	एकवचन
इ, ई को इ	इकारान्त व ईकारान्त शब्दों को 'इ' हो जाता है ।	
औ व ऊ को उ	ओकारान्त व ऊकारान्त शब्दों मे 'उ' हो जाता है ?	
उप-समीपम्	'उप' के योग में षष्ठी एकवचन का प्रयोग होता है और विग्रह पद में उप के स्थान पर समीप हो जाता है ।	
प्रश्न-	उप के योग में कौन-सी विभक्ति का प्रयोग होता है?	षष्ठी एकवचन
था नतिक्रम्य	यथा के योग में द्वितीया एकवचन और यथा के स्थान पर अनतिक्रम्य हो जाता है	

पुनरावृत्ति :-

प्र०1. उप के योग में किस विभक्ति का प्रयोग होता है।

प्र०2. समास किसे कहते है?

प्र०3. इकारान्त व ईकारान्त पद में समस्त पद बनाते समय 'इ' का प्रयोग होता है या 'ई' का?

गृहकार्य ->

समास कि परिभाषा दीजिए और अव्ययीभाव समास का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए?

Lesson No : ५

Date 21-1-2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति

Pupil Teacher's Roll No. 729

Class अष्टम्

Average Age of the pupils

Subject संस्कृत

Topic कारक

अनुदेशात्मक उद्देश्य

:→ (i) विद्यार्थी कारक के बारे में जानने ~~की~~ योग्य~~ता रखते हैं~~ ~~होंगे~~ हो जाएंगे।

(i) विद्यार्थी कारक के बारे में प्रत्यास्मरण करने की योग्य~~ता रखते हैं~~ हो जाएंगे

(i) विद्यार्थी कारक के उदाहरण दे~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी कारक का अर्थ बता~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे।

→

(i) विद्यार्थी कारक का निष्कर्ष निकाल~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी कारक से सम्बन्धित परिकल्पनाओं का निर्माण ~~करने की योग्यता रखते हैं~~। कर सकेंगे।

(i) विद्यार्थी कारक का विस्तारपूर्वक वर्णन ~~करने की योग्यता~~ सकेंगे

रखते है।

10. विद्यार्थी कारक को विश्लेषण करने की योग्यता रखते है।

सामान्य **सहायक सामग्री !**— चाक, डैस्टर, संकेतक

विशिष्ट " " "

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्रा-अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
① वर्ण किसे कहते है?	वह छोटी से छोटी इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते वर्ण कहलाते है। क्रिया
② क्रिया किसे कहते है?	किसी काम का करना या होना पाया जाए उसे क्रिया कहते है
③ कारक किसे कहते है।	?

विषय की उद्घोषणा —

अच्छा तो बच्चों आज हम कारक के बारे में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
कारक →	" क्रियान्वयित्वं कारकत्वम् " किसी वाक्य में क्रिया के साथ जिन शब्दों का सीधा सम्बन्ध होता है, उसे कारक कहते हैं। और जिनका सम्बन्ध क्रिया के साथ नही रहता उसे कारक नही कहते हैं। जैसे :– राम मारा। राम ने किसको मारा ? राम ने किसके द्वारा मारा ? अतः हम बिना कारक के वाक्य स्पष्ट नहीं कर सकते। इस वाक्य को स्पष्ट करने के लिए इस प्रकार कारक का प्रयोग करते हैं :–	
प्रश्न –	किसी वाक्य में क्रिया के साथ जिन शब्दों का सीधा सम्बन्ध होता है, उसे क्या कहते है ?– रावण को राम ने मारा। क्या यह वाक्य ठीक है। राम ने रावण को बाण से मारा।	कारक

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
	उपर्युक्त शब्दों का सीधा सम्बन्ध क्रिया। से अतः ये शब्द कारक कहे जाते हैं। हिन्दी में कारक आठ होते हैं, परन्तु संस्कृत में कारकों कि संख्या छः होते है इसमें "सम्बन्ध और "सम्बोधन को कारक नहीं मानते हैं।	
प्रश्न :→	संस्कृत में कारकों कि संख्या कितनी है?	छः।
1· कर्ता कारक प्रथमा विभक्ति (ने)	जो क्रिया को करने वाला या स्वतन्त्र होता है उसे कर्ता कारक कहते हैं। जैसे:- रामः गच्छति। यहाँ रामः में कर्ता कारक प्रथमा विभक्ति है।	
प्रश्न —	कर्ता कारक का कोई उदाहरण दीजिए?	सः पुस्तकं पठति
(2) कर्म कारक (द्वितीया वि०)	जिस पर क्रिया का	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	फल पड़े, कर्म कारक कहलाता है। जैसे :-> सः पुस्तकं पठति। यहाँ (पुस्तकको) पढ़ना अभीष्ठ है पुस्तक में कर्म कारक द्वितीया विभक्ति है इसकी पहचान 'को' है।	
प्रश्न-	(स) कर्म कारक विभक्ति का ई उदाहरण दीजिए ?	सः फलम् खादति
(3) करण कारक (तृतीया विभक्ति)	जिसके द्वारा कार्य सम्पन्न होता है, करण कारक कहते है जैसें — सः कलमेन लिखति। यहाँ पर लिखने कि क्रिया कलम के द्वारा होती है इसकी पहचान से द्वारा कि जाती है।	
(4) सम्प्रदान कारक चतुर्थी वि० (के लिए)	जिसमें कुछ लिया या दिया और जाए सम्प्रदान कारक कि पहचान (के लिए) है। जैसे :- रामः फलाय धावति। यहाँ पर के लिए चतुर्थी वि० तथा सम्प्रदान कारक है।	
प्रश्न -	सम्प्रदान कारक कि पहचान क्या है ?	के लिए पहचान तथा चतुर्थी विभक्ति प्रयोग होता है।

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र-क्रियाएं
5 अपादान कारक पंचमी वि० (से)	इसमें किसी वस्तु का अलग होना पाया जाता है जैसे वृक्षात-पत्रं पतति। यहाँ पत्ता वृक्ष से अलग होता है। यहाँ वृक्षात में अपादान कारक है	
	अपादान कारक का कोई उदाहरण दो?	सः ग्रामात-आगरं गच्छति।
(6) अधिकरण कारक सप्तमी वि० (में पर)	जिसमें क्रिया के आधार का पता चले, उसे अधिकरण कारक कहते है। इसका विभक्ति चिन्ह (में पर है। जैसे पर्वते मृगाः सन्ति पर्वत पर हिरण है।	
प्रश्न	अधिकरण कारक में विभक्ति चिन्ह कौन सा है?	में पर

पुनरावृत्ती :-

(1) कारक किसे कहते है ?
(2) कारक कितने प्रकार का होते है ?
(3) सभी कारकों के विभक्ति एवं चिन्ह बताओ ?

गृहकार्य :-

अपादान कारक से आप क्या समझते हैं और इसके उदाहरण सहित व्याख्या करके लाएगें।

Lesson No : 5

Date 23-1-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 9th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic बाणभट्ट का जीवन

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

विद्यार्थी बाणभट्ट के जीवन परिचय को जान~~के की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी बाणभट्ट के जीवन को प्रत्यास्मरण कर~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे।

(i) विद्यार्थी बाण की रचनाओं के उदाहरण ~~देने के योग्य हैं~~। दे सकेंगे

(ii) विद्यार्थी बाण की गद्य कृति का अर्थ बता~~ने के योग्य है~~। सकेंगे।

(i) विद्यार्थी बाण की रचनाओं से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण कर~~ने के योग्य है~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी बाण के गद्य का निष्कर्ष निकाल~~ने के योग्य है~~। सकेंगे।

(i) विद्यार्थी बाण की गद्यकृति का संश्लेषण कर~~ने की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे।

(iii) विद्यार्थी बाण की कृतियों का मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है।

सामान्य **सहायक सामग्री :->** चाक, डस्टर ब्लैकबोर्ड, पॉइन्टर।

विशिष्ट " "

पूर्व ज्ञान परीक्षण :->

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत का साहित्य हमें किस रूप में प्राप्त है?	लिखित रूप में
संस्कृत साहित्य को लिखने वाले क्या कहलाते है?	महाकवि
संस्कृत साहित्य में क्या-क्या सन्निहित है?	गद्य, पद्य, नाटक, जीवनी प्राचीन ग्रन्थ, धर्म, वेद इत्यादि।
कादम्बरी किसकी रचना है?	बाणभट्ट
बाणभट्ट का जीवन समय क्या है?	?

उद्घोषणा :-> अच्छा तो बच्चों आज हम

बाणभट्ट के जीवन के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बाण का जीवन परिचय	बाण प्रतिष्ठित वात्स्यायन वंश में उत्पन्न हुए थे इसी वंश में कुबेर नामक एक प्राकाण्ड पंडित का जन्म हुआ, अनेक गुप्त-राजा इनके चरण-कमलों को पूजते थे। कुबेर की कुटीया में रहने वाले तोते मैना भी इतने पंडित थे कि वे मन्त्रों का अशुद्ध पाठ करने वाले विद्यार्थियों को बीच में टोक दिया करते थे। इन्हीं कुबेर के चार पुत्र - अच्युत, ईशान, पशुपत व हरि थे।	
प्रश्न:-	बाण किस वंश में उत्पन्न हुए थे?	वात्स्यायन वंश
प्रश्न-	इसके वंश में किस प्रकाण्ड पंडित का जन्म हुआ था?	कुबेर

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	पाशुपात की एक ही पुत्र हुआ जिसका नाम था - अर्थपाल। अर्थपति के 11 पुत्र हुए जिनमें हे बाणभट्ट के पिता चित्रभानु भी थे बाणभट्ट को बचपन में ही मात्र वियोग सहना पड़ा इनकी माता का नाम राजदेवी था।	
प्रश्न-	बाणभट्ट के माता-पिता का क्या नाम था?	माता का नाम राजदेवी और पिता का नाम राजदेवी था।
बाणभट्ट का समय →	बाणभट्ट का काल 7वीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध माना जाता है। इन्होंने अपनी कृति "हर्षचरित" में व्यास वासदत्ता आदि रचनाएँ थी।	
प्रश्न —	बाणभट्ट का समय 7वीं शताब्दी का कौन-सा अर्द्ध माना जाता है?	7वीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध माना जाता है।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बाणभट्ट कि रचना	बाणभट्ट कि रचनाऐं मैं करुण तथा प्रेम सहानुभूति आदि दया कि भावना थी बाणभट्ट कि सर्वश्रेष्ठ रचना "हर्षचरित्र" है। इनकी और अन्य रचनाऐं निम्नलिखित हैं।— हर्षचरित मैं व्यास वासवदत्ता सातवाहन भास कालिदास की रचनाओं का वर्णन किया है थें थी सातवीं शताब्दी के के पूर्व के है। इन्होंने अन्य रचनाओं मैं हर्ष~~चरित~~ चरित्र मैं महादेवी स्वेता का वर्णन किया गया है। कादम्बरी इनकी तिसरी रचना है	
प्रश्न-	बाणभट्ट कि सर्वश्रेष्ठ रचना कौन - सी है?	'हर्ष-चरित'।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बाणभट्ट के दो प्रसिद्ध ग्रन्थ	बाणभट्ट के दो ग्रन्थ अत्यन्त पसिद्ध है – हर्षचरित और कादम्बरी, इनका तीसरा ग्रन्थ –चण्डीशतक व चौथा ग्रन्थ मुकुटताडितक है।	

पुनरावृत्ति :-

प्र०1. कुबेर किसके वंश में उत्पन्न हुए थे?

प्र02. बाणभट्ट किस शताब्दी के माने जाते हैं?

प्र03. बाणभट्ट के पिता का क्या नाम है?

गृहकार्य :-

प्र० (1) बाणभट्ट की रचनाएँ कितनी हैं?

प्र० 2 बाणभट्ट का जीवन परिचय लिखो?

DISCUSSION LESSON - I

Lesson No : I

Date 24-1-12
Duration of the period
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 8th
Average Age of the pupils 12+
Subject संस्कृत
Topic प्रत्यय

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

[redacted]

(i) विद्यार्थी प्रत्यय के बारे में जानने ~~की योग्यता रखते है।~~ सकेंगे

(ii) विद्यार्थी प्रत्यय के बारे में प्रत्यास्मरण करने ~~की योग्यता है~~ सकेंगे।

[redacted]

(i) विद्यार्थी प्रत्यय के उदाहरण देने ~~की योग्यता रखते है~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी प्रत्यय का अर्थ बताने ~~की योग्यता रखते है~~। सकेंगे।

[redacted]

(i) विद्यार्थी प्रत्यय का निष्कर्ष निकालने ~~की योग्यता रखते है~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी प्रत्यय से सम्बन्धित परिकल्पनाओं का निर्माण ~~करने की योग्यता रखते है।~~ कर सकेंगे।

[redacted]

(i) विद्यार्थी प्रत्यय का विस्तारपूर्वक वर्णन करने ~~की योग्य है~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी प्रत्यय से सम्बन्धित संश्लेषण कर ~~सकते है~~। सकेंगे

(i) सामान्य सहायक सामग्री

(ii) विशिष्ट **सहायक सामग्री :->**

चॉक, डस्टर, संकेतक आदि।

पूर्व-ज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका-क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
संज्ञा किसे कहते है?	किसी वस्तु स्थान या प्राणी के नाम को संज्ञा कहते है।
सर्वनाम किसे कहते है?	संज्ञा के स्थान पर
प्रत्यय किसे कहते है	?

उद्देश्य कथन :->

अच्छा बच्चों आज हम प्रत्यय के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

5.)

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रत्यय का अर्थ →	वो शब्द "जिनका किसी शब्द या धातु से विधान किया जाता है। प्रत्यय कहलाता है" अर्थात् जो शब्दांश संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया आदि के अन्त में लगाकर अर्थ में परिवर्तन कर देते है वे प्रत्यय कहलाते है।	
प्रश्न -	प्रत्यय की परिभाषा दीजिए?	जो शब्दांश संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया आदि के अन्त मे लगाकर अर्थ मे परिवर्तन करते है वे प्रत्ययकहलाते है।
प्रत्यय के प्रकार	प्रत्यय को हम मुख्य रूप में तीन भागों मे बाँटते है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	(i) कृत प्रत्यय (ii) तद्धित प्रत्यय (iii) स्त्री प्रत्यय	
कृत प्रत्यय की परिभाषा	कृत प्रत्यय – किसी धातु से संज्ञावाचक या विशेषण आदि शब्द बनाने के लिए हम जिस प्रत्ययों का प्रयोग करते हैं। उन्हें कृत प्रत्यय कहते हैं।	
प्रश्न –	प्रत्यय कितने प्रकार का होता है?	तीन प्रत्यय
	कृत प्रत्यय निम्नलिखित प्रकार के होते हैं–	
शतृ प्रत्यय	(i) शतृ प्रत्यय धातु में शतृ प्रत्यय के स्थान पर अत शेष रहता है जैसे – धाव+शतृ = धावत लिख + शतृ = लिखत	

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-	शतृ प्रत्यय के कोई दो उदाहरण दीजिए ?	पठ्+शतृ= पठत् भू+शतृ= भवत्
तव्यत् प्रत्यय→	धातु में तव्यत् प्रत्यय लगने पर तव्यत् के स्थान पर तव्य शेष रहता है। जैसे :→ गम्+तव्यत् = गन्तव्य दा + तव्यत् = दातव्य शु + तव्यत = शीतव्य	
तव्यत> प्रश्न →	तव्यत प्रत्यय का कोई उदाहरण दीजिए ?	कृ + तव्यत् = कर्तव्य वद्+ तव्यत् = वदितव्य
अनीयर प्रत्यय→	धातु में अनीयर प्रत्यय लगने पर अनीयर के स्थान पर अनीय हो जाता है जैसे= पठ्+ अनीयर् =पठनीय	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	भू + अनीयर् = भवनीय गम् + अनीयर् = गमनीय स्था + अनीयर् = स्थानीय ज्ञा + अनीयर् = ज्ञानीय	
प्रश्न -	अनीयर प्रत्यय में शेष क्या रहता है?	अनीय
क्तवतु प्रत्यय →	धातु में क्तवतु प्रत्यय लगने पर क्तवतु के स्थान पर तवत् हो जाता है। जैसे → गम् +क्तवतु = गतवत् पठ् + क्तवतु = पठितवत् भू + क्तवतु = भूतवत् लभ् + क्तवत् = लब्धवत् कृ + क्तवत् = कृतवत्	
प्रश्न —	क्तवतु प्रत्यय का कोई उदाहरण दीजिए?	ज्ञा+क्तवत् ज्ञातवत्

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
क्त्वा प्रत्यय	कत्वा प्रत्यय लगने पर कत्वा के स्थान पर त्वा हो जाता है जैसे - धातु → प्रत्यय → शब्द नी + क्त्वा = नीत्वा गृह + क्त्वा = गृहीत्वा गम् + क्त्वा = गत्वा भू + क्त्वा = भूत्वा श्रु + क्त्वा = श्रुत्वा	
	प्रश्न:- कत्वा के स्थान पर क्या शेष रहता है ?	त्वा शेष रहता है।
तुमुन प्रत्यय-	धातु में तुमुन प्रत्यय लगने पर तुमन् के स्थान पर तुम हो जाता है।	
उदाहरण	पठ + तुमुन = पठितुम्	

पुनरावृत्ति :→

प्र०1 प्रत्यय किसे कहते है ?

प्र०2 प्रत्यय के प्रकार बताइए ?

प्र०3. क्तवतु प्रत्यय का उदाहरण दीजिए ?

गृहकार्य :→

(1) शतृ व अनीयर् प्रत्यय के उदाहरण तथा प्रत्यय व उसके उदाहरण लिखकर तथा याद करके लाएगें ।

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

Lesson No : I

Date 3-2-12

Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति

Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 8th

Average Age of the pupils

Subject संस्कृत

Topic अलंकार परिचय

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

(i) विद्यार्थी अलंकार शब्द को पहचान~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी अलंकारों का प्रत्यास्मरण कर~~ने की योग्यता रखते है~~। सकेंगे

(i) विद्यार्थी अलंकार ~~के~~ उदाहरण दे~~ने की योग्यता रखते है~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी अलंकारों का अर्थ बताने के योग्य ~~रखते है~~ हो जाएँगे।

(i) विद्यार्थी अलंकार का निष्कर्ष निकालने ~~की योग्यता रखते है~~। योग्य हो जाएंगे

(ii) विद्यार्थी अलंकार से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण ~~करने की योग्यता रखते है~~। कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी अलंकारों का संश्लेषण करने की योग्यता रखते हैं।

(ii) विद्यार्थी अलंकारो का मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है।

(i) सामान्य **सहायक सामग्री** :— → चाक, डस्टर ब्लैकबोर्ड संकेतक।

(ii) विशिष्ट " " →

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
आप सुन्दर दिखाई देने के लिए शादि में क्या पहनते है?	साफ-सुथरे कपड़े, तथा आभूषण।
स्त्री की सुन्दरता कौन-सी वस्तु बढाती है?	आभूषण।
आभूषण का पर्यायवाची शब्द क्या है?	अलंकार
संस्कृत में अलंकार किसे कहते है?	?

उद्घोषणा :→ अच्छा तो बच्चों ! आज हम अलंकार के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ
अलंकार का अर्थ	वे धर्म जिनमें काव्य की शोभा बढ़ती है अलंकार कहलते हैं। :→ काव्यशोभाकरान् धर्मान् अलङ्कारान् प्रचक्षते। अलंकार तीन प्रकार के होते हैं :→ (1) शब्दालंकार (2) अर्थालंकार (3) उभयालंकार	
प्रश्न -	अलंकार कितने प्रकार के होते हैं?	तीन प्रकार
(1)	**शब्दालंकार :→** शब्दों में चमत्कार उत्पन्न करने वाला अलंकार शब्दालंकार है।	
(2)	**अर्थालंकार :—** जिन अलंकारो से अर्थ में सौन्दर्य उत्पन्न होता है।	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
3) उभयालंकार –	जो शब्द और अर्थ दोनों की शोभा बढ़ते है।	
प्रश्न –	अर्थालंकार कि परिभाषा दीजिए?	जिन अलंकारों से अर्थ में सौंदर्य उत्पन्न होता है।
शब्दालंकार –	शब्दालंकार दो है। (i) अनुप्रास अलंकार व (ii) यमक अलंकार	
अनुप्रास अलंकार	स्वरों में समानता न होते हुए भी समान व्यंजनों अर्थात वर्णों का बार-2 आना अर्थात उनकी आवृति होना अनुप्रास अलंकार कहलाता है। अनुप्रासः शब्दसाम्यं वैषम्येऽपि स्वरस्य यत्।	
प्रश्न –	अनुप्रास अलंकार कि परिभाषा दीजिए?	जहाँ व्यंजनों तथा वर्णों का बार-2 आना अर्थात उनकी आवृति होना अनुप्रास अलंकार

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	अनुप्रास अलंकार कहलाता है।	
उदाहरण-	लताकुञ्जं गुञ्जन्मदवलिपुञ्जं चपलयन् समालिङ्गन्नङ्ग द्रुततरमनङ्ग प्रबलयन् !! मरुमंद मन्दं दलितमरविन्द तरलयन् रजो वृन्दं विन्दन् किरति मकरन्द !!	
विवृत्ति	इस श्लोक में 'ञ्ज' 'ञ्ज' 'ङ्ग' 'ङ्ग' और 'न्द' 'न्द' का वर्णसाम्य होने के कारण अनुप्रास अलंकार है।	
प्रश्न-	शब्दालंकार कितने प्रकार का होता है।	दो प्रकार
यमक अलंकार	स्वरों और व्यंजनों के सार्थक समूह की पुनरावृत्ति जब इस प्रकार हो कि प्रत्येक आवृत्ति में अर्थ परिवर्तन हो जाए, यमक अलंकार होता है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	निरर्थक पदों की आवृति में भी यमक होता है । “सत्यर्थे पृगर्थायाः स्वरव्यञ्ज संहते । कृमेण तेनैवावृत्तिर्यमं विनिगद्यते ।”	
उदाहरण -	नवपलाशपलाशवनं पुर स्फुटपरागतपङ्कजम् । मृदुललतान्तलतान्तमलोकयत् ससुरभि सुमनो भरैः ॥ इस श्लोक मे पलाश-पलाश, पराग-२ लतान्त सुरभि-२ पदों की आवृति है । परन्तु अर्थ भिन्न-२ होने के कारण यहाँ यमक अलंकार है ।	

पुनरावृत्ति :-

प्र०(i) अलंकार किसे कहते है ?
(ii) अलंकार के भेद बताइए ?
(iii) उपमालंकार किसे कहते है ?

गृहकार्य :→

प्र०(1) अनुप्रास अलंकार की परिभाषा दीजिए ? और यमक अलंकार की परिभाषा व उदाहरण लिखकर लाओगे ।

Lesson No :- 2

Date 4-2-12
Duration of the period
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 7th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic सन्धि

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

[redacted]

(i) विद्यार्थी सन्धि को पहचानने की योग्यता ~~रखते है~~ हो जाएँगे।

(ii) विद्यार्थी सन्धि के बारे में प्रत्यास्मरण ~~करते है~~ कर सकेंगे।

[redacted]

(i) विद्यार्थी सन्धि के उदाहरणों को देने ~~की योग्यता रखते है~~ के योग्य हो सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी सन्धि का अर्थ बताने के योग्य ~~है~~ हो जाएंगे।

(3) [redacted]

(i) विद्यार्थी सन्धि का निष्कर्ष निकालने ~~की योग्यता रखते है~~ योग्य हो जाएँगे

(ii) विद्यार्थी सन्धि से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण कर~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

[redacted] विद्यार्थी सन्धि का संश्लेषण ~~करने की योग्यता रखती है~~ कर सकेंगे।

(1) विद्यार्थी सन्धि का मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है।

सामान्य **सहायक सामग्री** :-> चाक, डस्टर, पोइंटर, बोर्ड
विशिष्ट " "

पूर्व ज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(क) दो वर्णों के मेल को क्या कहते है?	शब्द
(ख) दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को क्या कहते है?	वाक्य
(ग) वर्णों के समूह को क्या कहते है?	वर्णमाला
(घ) जब दो वर्ण परस्पर मिलते है तो उनके मेल को क्या कहते है?	?

उद्घोषणा :- अच्छा बच्चों आज हम सन्धि

और उसके भेदों के विषय में (अध्ययन करेंगी।

प्रस्तुतीकरण :→

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
सन्धि:	सन्धि शब्द का अर्थ है मेल या जोड़ सन्धि हिन्दी तथा संस्कृत भाषा का महत्वपूर्ण अंग है, क्योंकि यह शब्द रचना के प्रमुख आधारों में से एक है है। संस्कृत भाषा में सन्धि से आशय दो वर्णों के परस्पर मेल से है।		सन्धि सन्धि शब्द का अर्थ है मेल या जोड़ है।
सन्धि की परिभाषा	जब दो शब्दों के वर्ण परस्पर मिलकर एकरूप हो जाते हैं तो उसे सन्धि कहते हैं।		
प्रश्न.	सन्धि की परिभाषा दीजिए?	जब दो शब्दों के वर्ण परस्पर मिलकर एकरूप हो जाते हैं तो उसे सन्धि कहते हैं	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	सन्धि में यह मेल पहले शब्द के अन्तिम वर्ण और बाद वाले शब्द के प्रथम वर्ण में होता है। सन्धि करते समय दोनों शब्दों का आपस में मिलना या होना आवश्यक है। दूर-दूर स्थित शब्दों में सन्धि नही हो सकती है।	
प्र०	किन शब्दो में सन्धि नही हो सकती	दूर-दूर स्थित शब्दों में।
सन्धि के भेद →	सन्धि के मुख्यत: तीन प्रकार की होती है। (1) स्वर सन्धि (2) व्यञ्जन सन्धि (3) विसर्ग सन्धि।	
प्रश्न —	सन्धि के मुख्यत: कितने भेद है?	तीन
स्वर सन्धि-	जब दो स्वरों के मिलने पर विकार उत्पन्न होता है तब उसे स्वर सन्धि कहते है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
स्वर सन्धि के प्रकार	स्वर सन्धि मुख्यतः पाँच प्रकार की होती है। (1) दीर्घ सन्धि (2) गुण सन्धि (3) वृद्धि सन्धि (4) यण सन्धि (5) अयादि सन्धि	
प्रश्न-	स्वर सन्धि के कितने भेद है ?	पाँच प्रकार
(1) दीर्घ सन्धि	सूत्र:- अकः सवर्णे दीर्घः अर्थात जब ह्रस्व या दीर्घ अ आ, इ, ई, उ ऊ ऋ वर्णों के पश्चात इनके वर्ण आते है तो दोनों मिलकर क्रमशः आ ई ऊ और ऋ बन जाते है। तब दीर्घ सन्धि कहलाती है जैसे- हिम + आलयः = हिमालयः विद्या+ अर्थी = विद्यार्थी	
प्रश्न	दीर्घ सन्धि का कोई उदाहरण दीजिए ?	रवि+इन्द्र= रवीन्द्र भानु+उदय= भानूदयः

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
गुण सन्धि	**आदगुण:** अर्थात जब अ या आ के बाद इ या ई उ या ऊ, ऋ या लृ आते है तो दोनो क्रमशः ए, ओ, अर और अल हो जाता है तब गुण सन्धि होती है। उदाहरण:- रमा+ईश:=रमेश: महा + उत्सव: = महोत्सव:	
प्रश्न —	गुण सन्धि का कोई उदाहरण दीजिए ?	सप्त+ऋषि= सप्तर्षि: सर्व+उदय:= सर्वोदय:

पुनरावृति :→

प्र01 सन्धि किसे कहते है ?
प्र02 सन्धि के प्रकार बताइए ?
प्र03 हिमन आलय किस सन्धि का

गृहकार्य :→

प्र01 सन्धि का अर्थ व प्रकार बताइए ?
प्र02 सर्वोदय का सन्धि विच्छेद कीजिए ?

Lesson No : 3

Date 6-9-2012
Duration of the period 35 मिनट
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 6th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic सर्वनाम (शब्द रूप)

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

(i) विद्यार्थी सर्वनाम के बारे में जानने ~~की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी सर्वनाम के बारे में प्रत्यास्मरण करने ~~की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे।

(i) विद्यार्थी सर्वनाम के विषय में उदाहरण ~~देने की~~ दे ~~योग्यता रखते है~~। सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी सर्वनाम का अर्थ बताने ~~की योग्य है~~ बता सकेंगे।

~~[illegible]~~

(i) विद्यार्थी सर्वनाम का निष्कर्ष निकालने ~~की योग्यता रखते है~~। सकेंगे

(ii) विद्यार्थी सर्वनाम से सम्बन्धित कारण बताने ~~की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

(i) विद्यार्थी सर्वनाम से सम्बन्धित विश्लेषण करने के योग्य हो जायेंगे।

(ii) विद्यार्थी सर्वनाम का संश्लेषण करने ~~की योग्यता रखते है~~ योग्य हो जायेंगे।

(i) सामान्य
(ii) विशिष्ट

सहायक सामग्री :-

चाक, डैस्टर, पोस्टर ब्लैकबोर्ड

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र- क्रियाएँ
संज्ञा किसे कहते है ?	किसी वस्तु स्थान या प्राणी के नाम को संज्ञा कहते है।
संज्ञा का उदाहरण दीजिए ?	बालक पठति। देवीः नमः।
सर्वनाम किसे कहते है?	संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते है।
सर्वनाम का कोई उदाहरण दीजिए.	?

उद्देश्य कथन :-

बच्चों ! आज हम सर्वनाम के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगें।

प्रस्तुतीकरण :→

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
सर्वनाम से अभिप्राय	संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम शब्दों का प्रयोग सभी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के लिए किया जा सकता है जैसे अहम् (मैं) त्वम् (तुम युवाम् (तुम दोनों) यूयम् (तुम सब) सः (वह) तौ वे दोनों ते (वे सब) इदम् (यह) भवत् (आप)	
प्रश्न →	सर्वनाम किसे कहते हैं?	संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
सर्वनाम के भेद →	सर्वनाम के पाँच भेद होते हैं जो इस प्रकार है:→ (1) पुरुषवाचक सर्वनाम (2) निश्चयवाचक सर्वनाम (3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (4) सम्बन्धवाचक सर्वनाम (5) प्रश्नवाचक सर्वनाम ।	
1) पुरुष वाचक सर्वनाम	सर्वनाम शब्दों के जिस रूप में उनके वक्ता, श्रोता तथा अन्य अर्थात् जिसके विषय में बात कि जाती है। उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहा जाता है।	
प्रश्न —	सर्वनाम के कितने भेद हैं?	पाँच
पुरुषवाचक सर्वनाम के भेद —	(1) प्रथम पुरुष (2) मध्यम पुरुष (3) उत्तम पुरुष	
प्रश्न →	पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने भेद है?	तीन

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ-
2) निश्चय वाचक सर्वनाम	जिन सर्वनाम शब्दों से निश्चयात्मक संज्ञाओं के विषय में संकेत किया जाता है उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।	
(3) अनिश्चय वाचक सर्वनाम	जिन सर्वनामों से उनके द्वारा संकेतिक संज्ञाओं के विषय में कोई निश्चय नहीं होता हैं उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे - कोऽपि कोई।	
प्रश्न-	निश्चय वाचक सर्वनाम की परिभाषा दीजिए?	जिन सर्वनाम शब्दों से निश्चयवाचक संज्ञाओं के विषय में संकेत किया जाए उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है जैसे- यह पुस्तक मेरी है।
(4) सम्बन्ध चक र्वनाम	जिन शब्दों सी दो संज्ञाओं के अभिन्न सम्बन्ध का ज्ञान होता है उसे सर्वनाम कहते है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्नवाचक सर्वनाम-	जिन सर्वनाम शब्दों से प्रश्न पूछा जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे -> कः, किम्, कुत्र, कथम्, क्व, कतर आदि।	
सर्वनाम का उदाहरण	पितृ के रूप	
विभक्ति –	एकवचन द्विवचन बहुवचन पिता पितरौ पितरः पितरम् पितरौ पितॄन् पित्रा पितृभ्याम् पितृभिः पित्रे पितृभ्याम् पितृभ्यः पितुः पितृभ्याम् पितृभ्यः पितुः पित्रोः पितॄणाम् पितरि पित्रोः पितृषु हे पितः। हे पितरौ। हे पितरः	

पुनरावृत्ति :->

प्र०i सर्वनाम किसे कहते है ?

प्र०ii सर्वनाम के प्रकार बताइए ?

प्र०iii सर्वनाम का एक उदाहरण दीजिए

गृहकार्य :->

सभी बच्चे पुरुषवाचक सर्वनाम की परिभाषा और उसके भेद तथा माता का शब्द रूप कॉपी मे लिखकर लेकर आओगे

Lesson No : ५

Date 8 – 2 – 2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति

Pupil Teacher's Roll No. 721

Class 8 th

Average Age of the pupils

Subject संस्कृत

Topic कारक विभक्ति परिचय

(अनुदेशनात्मक उद्देश्य)

(i) विद्यार्थी कारक – विभक्ति के विषय में पहचान~~ने की योग्यता रखते है।~~ सकेंगे

(ii) विद्यार्थी कारक व विभक्ति के बारे में प्रत्यास्मरण कर~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

(i) विद्यार्थी कारक व विभक्ति के उदाहरण ~~देने की योग्यता रखते हैं~~ दे सकेंगे

(ii) विद्यार्थी कारक व विभक्ति के सामान्यकरण ~~की योग्यता रखते है।~~ योग्य हो जाएँगे

(i) विद्यार्थी कारक व विभक्ति सम्बन्धित निष्कर्ष निकाल~~ने की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी कारक व विभक्ति सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण ~~करने की योग्यता रखते है।~~ कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी कारक या विभक्ति से सम्बन्धित संश्लेषण कर सकते है।

(ii) विद्यार्थी कारक विभक्ति से सम्बन्धित मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है।

(iii) विद्यार्थी कारक व विभक्ति से सम्बन्धित विश्लेषण करने की योग्यता रखते है।

सामान्य **सहायक सामग्री** :→

विशिष्ट ” ” चाक, डस्टर, पॉइंटर, श्यामपट्ट।

पुर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाऐं	छात्र क्रियाऐं
(१) अक्षर किसे कहते है?	अक्षर किसी भी भाषा के मूल आधार होते है।
(२) व्यजंन किसे कहते है?	जिन वर्णो का उच्चारण करते समय स्वरो की सहायता लेनी पड़ती है जैसे कि क, ख, ग
(३) क्रिया किसे कहते है? →	किसी काम का करना या होना पाया जाए उन्हे क्रिया कहते
(४) कारक किसे कहते है	?

उपविषय की घोषणा :→ अच्छा तो बच्चों आज हम विभक्ति और कारक के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

क्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र-क्रियाएँ
कारक की परिभाषा-	जिन शब्दों का क्रिया के साथ सीधा सम्बन्ध होता है उन्हें कारक कहते है, जैसे → **राम: पुस्तकं पठति।** (राम पुस्तक पढ़ता है) इस वाक्य में राम कर्ता है। पुस्तकं कर्म है। और पठति क्रिया है यहाँ पर रामः और पुस्तकं पद, पठति क्रिया के कर्ता कारक और कर्म कारक कहलाते है।	
प्रश्न-	कारक का कोई एक उदाहरण दीजिए	राम: फलम् खादति।
कारक के भेद-	संस्कृत में सात विभक्तियाँ और एक सम्बोधन होता है इन सातों विभक्तियों के सात कारक होते हैं परन्तु संस्कृत के व्याकरण सात कारकों में से	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
	सम्बन्ध को कारक नहीं मानते, इस प्रकार कारक के छः भेद ही जाते है।	
प्रश्न :→	संस्कृत में कितने कारक है?	छः कारक है
	कारक के छः भेद इस प्रकार है :→	

विभक्ति	कारक	चिन्ह
प्रथमा	कर्ता	ने
द्वितीया	कर्म	को
तृतीया	करण	से के द्वारा
चतुर्थी	सम्प्रदान	को, के लिए
पंचमी	अपादान	से (अलग होने
षष्ठी	सम्बन्ध	का के, की
सप्तमी	अधिकरण	में, पर
सम्बोधन्	सम्बोधन	हे, अरे

	संस्कृत मे छः कारक और सात विभक्तियाँ है।	
प्रश्न :—	संस्कृत में कितनी विभक्तियाँ है?	सात विभक्तियाँ है।
प्रथमा विभक्ति	क्रिया को करने वाला	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र- क्रियाएँ
	कर्त्ताकारक कहलाता है। जैसे :- मोहनं गृहं गच्छति। रामेण रावणः हन्यते।	
प्रश्न →	प्रथमा विभक्ति की परिभाषा दीजिए ?	क्रिया को करने वाला है उसमें प्रथमा विभक्ति का प्रयोग होता है जैसे :- रामः गृहं गच्छति।
द्वितीया विभक्ति	जिस पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है। उसमें द्वितीया विभक्ति आती है। इसे कर्मकारक कहा जाता है। कमला पाठशालां गच्छति।	
प्रश्न :-	द्वितीया विभक्ति का कोई उदाहरण दीजिए ?	~~अध्यापकः छात्रां पाठयति।~~
तृतीया विभक्ति-	जिस साधन के द्वारा कर्त्ता क्रिया को सिद्ध करता है। इसमें तृतीया विभक्ति आती है। जैसे देवेन अश्वः नीयते।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	जिसके द्वारा कुछ दिया जाता है या क्रिया की जाती है। उसमें चतुर्थी विभक्ति तथा सम्प्रदानकारक कहा जाता है। जैसे – विमला पठनाय पाठशालां गच्छति।	
प्रश्न –	सम्प्रदानकारक की परिभाषा दीजिए	जिसके द्वारा क्रिया की जाती या कुछ दिया जाता
पंचमी विभक्ति	जहाँ किसी व्यक्ति का किसी स्थान या वस्तु से अलग होना पाया जाए वहाँ पञ्चमी विभक्ति आती है इसे अपादानकारक कहते है। जैसे :→ वृक्षात् फलानि पतन्ति।	
षष्ठी विभक्ति	जहाँ एक वस्तु का दूसरी वस्तु से सम्बन्ध बताया जाए वहाँ षष्ठी विभक्ति होती है मोहनः ग्रामे निवसति	

पुनरावृत्ती :→

(i) कारक किसे कहते है ?
(ii) सम्बन्ध कारक के विषय में बताइए ?
(iii) पंचमी विभक्ति का उदाहरण दीजिए ?

गृहकार्य :→

(i) सभी बच्चे कारक के भेद तथा चतुर्थी विभक्ति के उदाहरण लिखकर तथा याद करके लेकर लाओगें।

Lesson No : 5

Date 9-2-2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति

Pupil Teacher's Roll No 729

Class 7th

Average Age of the pupils

Subject संस्कृत

Topic लालन गीतम् (लोरी)

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी लालनगीतम् के अर्थ ~~को बताने की योग्यता रखते है~~ बता सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी लालनगीतम् के बारे में प्रत्यास्मरण ~~करने की योग्यता रखते हैं~~ कर सकेंगे।

(i) विद्यार्थी लालनगीतम् से सम्बन्धित उदाहरण दे~~ने की योग्यता रखते है~~ दे सकेंगे

(ii) विद्यार्थी लालनगीतम् को सामान्यकरण कर~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे

(i) विद्यार्थी लालनगीतम् का निष्कर्ष निकाल~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी लालनगीतम् का संश्लेषण कर ~~सकते है~~ सकेंगे

→ विद्यार्थी लालनगीतम् से

सम्बन्धित विश्लेषण करने के योग्य है।

(ii) विद्यार्थी लालनगीतम् से सम्बन्धित मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है।

(iii) विद्यार्थी लालनगीतम् से सम्बन्धित परिकल्पना निर्माण करने की योग्यता रखते है।

① सामान्य **सहायक सामग्री :->**

चाक, संकेतक पॉइन्टर इत्यादि।

② विशिष्ट " " => — — —

पूर्वज्ञान परीक्षण :->

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रातः काल सूर्य का उदय होना क्या कहलाता है?	सूर्योदय।
सूर्य के छिपने के समय को क्या कहते है?	सन्ध्या काल
रात को सोने से पहले बच्चों को क्या सुनाते है?	?

उपविषय की घोषणा :-> अच्छा तो बच्चों! आज हम लालनगीत (लोरी) का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
श्लोक	उदिते सूर्ये धरणी विहसति पक्षी कूजति कमलं विकसति । नदति मन्दिरे उच्चैः सरितः सलिले सैलति नौका:॥	
श्लोक का अर्थ-	सूर्य के उदय होने पर धरती हँसती है। पक्षी चहचहाते है। कमल खिलता है, मन्दिर में ऊँची आवाज में नगाड़ा बजता है नदी के पानी में नौका डगमगाती है।	
प्रश्न-	सैलति का इस श्लोक में क्या अर्थ है ?	डगमगाती है।
श्लोक	पुष्पे-पुष्पे नानारङ्गा । तेषु डयन्ते चित्रपतङ्गा:॥ वृक्षे-वृक्षे नूतनपत्रम् । विवधैर्वर्णैर्विभति चित्रम॥	
श्लोक का अर्थ-	फूल-फूल पर अनेक रंग हैं उन पर तितलियाँ उड़ रही हैं वृक्ष-वृक्ष पर नये-२ पत्ते हैं जो अनेक रंगों से सुशोभित है।	
प्रश्न-	इस श्लोक में नूतनपत्रम् का क्या अर्थ है ?	नया पत्ता

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
श्लोक	धेनुः प्रातर्यच्छति दुग्धम् शुद्धं, स्वच्छं मधुर स्निग्धम् गहने विपिने व्याघ्रो गर्जति। उच्चैस्तत्र च सिंहः नर्दति।।	
श्लोक का अर्थ -	प्रातः काल गाय शुद्ध, स्वच्छ, मधुर तथा चिकना दूध देती है। घने वन में बाघ गर्जता है और सिंह जोर से दहाड़ता है।	
प्रश्न -	इस श्लोक में गहने विपिने का क्या अर्थ है।	घने वन में।
श्लोक -	हरिणोऽयं खादति नवघासम् सर्वत्र च पश्यति सविलासम् उष्ट्रः, तुङ्गः मन्दं गच्छति पृष्ठे प्रचुरं भारं निवहति।।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
श्लोक का अर्थ-	यह हीर हिरणः ताजा घास खा रहा है। और सब जगह (चारो ओर) आनन्दपूर्वक देख रहा है ऊंचा- ऊँट धीरे-2 चल रहा है और पीठ पर भारी बोझ ढो रहा है।	
	इस श्लोक में "सविलासम्" तथा उष्ट्रः का क्या अर्थ है?	सविलासम् का अर्थ है-आनन्दपूर्वक और उष्ट्रः का अर्थ ऊँट।
श्लोक	घोटकराजः क्षिप्रं धावति धावनसमये किमपि न खादति पश्यत भल्लूकमिमं करालम् नृत्यति यधर्ये झुरु करतालम्	
श्लोक का अर्थ-	घोड़ा राजा तेज दौड़ रहा है दौड़ते समय व कुछ भी नहीं खा रहा है। सब देखो यह भयंकर भालू व्यर्थ करके नाच रहा है सब तालियाँ बजाओ ?	

पुनरावृति :→

प्र०1 सूर्य के उदय होने पर क्या होता है?

प्र०2 गहने विपिन किम् गर्जति ?

प्र०3 घोटकराज किम् धावति ।

गृहकार्य :→

सभी बच्चे सारे श्लोकों की हिन्दी में अर्थ तथा शब्दार्थ लिखकर व याद करके लेकर लाओगे ।

P.T's voice was clear

Teaching aid was used.

Lesson No :......6..........

Date.....10 - 2 - 2012.....

Duration of the period

Pupil Teacher's Name.....प्रीति.....

Pupil Teacher's Roll No. 729 .

Class.....6th.....

Average Age of the pupils.........

Subject.....संस्कृत.....

Topic.....वायुविहारं (वायु यात्रा

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

(i) विद्यार्थी वायुविहार को पहचान ~~की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे

(ii) विद्यार्थी वायुविहार का प्रत्यास्मरण ~~करने की योग्यता रखते हैं~~ कर सकेंगे।

(i) विद्यार्थी वायुविहारं शब्द के अर्थ को बता ~~की योग्यता रखते~~ है सकेंगे

(ii) विद्यार्थी वायुविहारं के समय मार्ग में आने वाली वस्तुओं का उदाहरण देने की योग्यता रखते है।

(i) विद्यार्थी वायुविहारं का निष्कर्ष ~~निकालने की योग्यता रखते~~ है। निकाल सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी वायुविहारं से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण करने की योग्यता रखते है।

(i) विद्यार्थी वायुविहारं का संश्लेषण करने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी वायुविहार का मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है ।

सहायक सामग्री :→
चाक, झाड़न संकेतक, श्यामपट्ट, चार्ट ।

[redacted]

पुर्वज्ञान परीक्षण :→

	छात्राध्यापिका-क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1)	आकाश को हम क्या कहते है ?	ब्रह्माण्ड
(2)	ब्रह्माण्ड के अन्दर कौन-2 से ग्रह पाए जाते है ?	पृथ्वी, बृहस्पति, चन्द्रमा, मंगल, बुध, शुक्र, शनि, यम कुबेर
(3)	पृथ्वी, सूर्य, चन्द्रमा आदि को देखने के लिए हम ब्रह्माण्ड में किस साधन द्वारा जाते है ?	वायुयान द्वारा ।
(4)	[illegible]यान द्वारा यात्रा करना क्या कहलाता है ?	?

उपविषय की घोषणा :->

अच्छा तो बच्चों आज हम वायुयान के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे ।

विषय बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
श्लोक	राघव ! माधव ! सीते ! ललिते विमानयानं रचयाम नीले गगने विमले वायुविहारं करवाम ॥	
श्लोक का अर्थ	राघव, माधव, सीता, ललिता, आओ हम हवाई जहाज बनाए, नीले रंग के विस्तृत और निर्मल आकाश में हम वायु यात्रा करें ।	
प्रश्न	इस श्लोक में विमानयानं का क्या अर्थ है ?	हवाई जहाज
श्लोक	उन्नतवृक्षं तुङगं भवनं क्रान्तवाकाशं खलु याम । कृत्वा हिमवन्तं सोपानं चन्दिरलोकं प्रविशाम ॥	
श्लोक का अर्थ	हम ऊँचे वृक्ष ऊँचे भवन और ऊँचे	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	आकाश की पार करके चलें। हम बर्फ की सीढ़ी बनाकर चन्द्रलोक में प्रवेश करें।	
प्रश्न :→	उन्नतवृक्ष का इस श्लोक में क्या अर्थ है?	ऊँचे वृक्ष
श्लोक –	शुक्रश्चन्द्रः सूर्यो गुरुरिति ग्रहान् हि सर्वान् गणयाम् विविधाः सुन्दरता रश्मिचत्वा मौक्तिकहारं रचयाम !!	
श्लोक का अर्थ →	हम शुक्र, चन्द्र, सूर्य, गुरु इन सभी ग्रहों को गिनें और अनेक प्रकार के सुन्दर तारों को चुनकर हम मोतियों का हार बनाएँ।	
प्रश्न	मौक्तिकहारं का इस श्लोक में क्या अर्थ है?	मोतियों का हार !

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
श्लोक-	अम्बुदमालाम् अम्बरभूषाम् आदायैव हि प्रतियाम दुःखित- पीड़ित-कृषिकजनानां गृहेषु हर्ष जनयाम !!	
श्लोक का अर्थ -	बादलों की माला और आकाश की शोभा को लेकर ही हम वापिस लौटें, दुःखी, पीड़ित और किसान लोगों के घरों मे हम खुशी पैदा करें।	
प्रश्न -	इस श्लोक में अम्बुदमालाम् क्या अर्थ है ?	बादलों की माला
श्लोक-	~~गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति ।~~ ~~ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः !!~~ ~~आस्वाद्यतोयाः प्रवहन्ति नद्यः ।~~ ~~समुद्रमासाद्य भवन्त्पेयाः !!~~ सदगुण गुणों के जानने वाले लोगों के पास रहते हुए ही गुण रहते हैं, वे निर्गुणों के पास जाकर दोष हो जाते हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
	स्वादयुक्त जल वाली नदियों का जल समुद्र में मिलने पर न पीने योग्य (खारा हो जाता है।		
प्रश्न →	इस श्लोक में गुणज्ञेषु का क्या अर्थ है?	गुणों को जानने वालों में।	

पुनरावृती :→

प्र०1 के वायुयानं रचयन्ति ?

प्र०2 वयं कस्मिन् लोके प्रविशाम ?

प्र०3 वयं कीदृशं सोपानं रचयाम ?

गृहकार्य :→ वायुयानं कीदृशं वृक्षं कीदृशं भवनं च कृत्वा उपरि गच्छति ? (स्मरणकरोमि)

Lesson No : 7

Date 13-2-2012 Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 7th Average Age of the pupils

Subject संस्कृत Topic कल्पलतेव विद्या

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

[redacted]

(i) विद्यार्थी विद्या शब्द को पहचानने की योग्य~~ता रखते हैं~~ ।
हो जाएगे

(ii) विद्यार्थी विद्या को प्रत्यास्मरण कर~~ने की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे ।

[redacted]

(i) विद्यार्थी विद्या से सम्बन्धित उदाहरण ~~देने की योग्यता रखते हैं~~ । दे सकेंगे ।

(ii) विद्यार्थी विद्या का अर्थ बताने ~~की~~ योग्य~~ता रखते हैं~~ ।
हो जाएगे ।

[redacted]

(i) विद्यार्थी विद्या का निष्कर्ष निकाल~~ने की योग्यता रखते हैं~~ ।
सकेंगे ।

(ii) विद्यार्थी विद्या से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण ~~करने की योग्यता रखते है~~ । कर सकेंगे ।

[redacted]

(i) विद्यार्थी विद्या का संश्लेषण कर~~ने की योग्यता~~
सकेंगे ।

रखते हैं।

(ii) विद्यार्थी विद्या का मूल्यांकन करने की योग्यता रखते हैं।

सामान्य **सहायक सामग्री** :→ चाक, संकेतक, पोइन्टर चार्ट इत्यादि।

विशिष्ट " "

पूर्वजान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संसार के प्राणियों में श्रेष्ठ प्राणी कौन-सा है?	मनुष्य
मनुष्य सबसे श्रेष्ठ क्यों है?	मानवता के कारण
मनुष्य का सबसे कीमती और महत्वपूर्ण आभूषण कौन-सा है?	?

उद्घोषणा :→ अच्छा बच्चों आज हम विद्या के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
श्लोक→	न चौरहार्य न च राजहार्य न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि व्यये कृते वर्धत एवं नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।।	
श्लोक का अर्थ	विद्या न चोरों के द्वारा चुराने योग्य है न राजा के द्वारा छीनने योग्य है, न भाइयों के द्वारा बाँटने योग्य है और न भार बढ़ने वाली है। यह प्रतिदिन खर्च किए जाने पर भी बढ़ती ही है इस प्रकार विद्याधन सब धनों में प्रमुख धन है।	
प्रश्न -	चौरहार्य का इस श्लोक में क्या अर्थ है ?	चोरों के द्वारा चुराने योग्य
श्लोक→	विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम् विद्या भोगकरी यश: सुखकरी विद्या गुरुणां गुरुः विद्या बन्धुजनों विद्या परा देवता विद्या राजसु पूज्यते न हि	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
	धनं विद्या परा देवता ॥	
श्लोक का अर्थ :→	विद्या मनुष्य का सबसे बड़ा रूप है। विद्या सबसे अधिक छुपा हुआ निजि धन है। विद्या गुरुओं की गुरु है। विदेश जाने पर विद्या मित्र होती है विद्या सबसे बड़ा देवता है राजाओं में विद्या ही पूजी जाती है धन नहीं पूजा जाता, विद्या से हीन मनुष्य पशु ही होता है।	
प्रश्न →	वाणिका का इस श्लोक में क्या अर्थ है?	एकमात्र वाणी
श्लोक	केयूराः न विभूषन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्जवला न स्नानं न विलपनं न कुसुम नालङ्कृता मूर्धजाः वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते क्षीयन्ते ऽखिलभूषणानि सततं	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	वाग्भूषणं भूषणम् !!	
श्लोक का अर्थ -	बाजुबंद मनुष्य को सुशोभित नहीं करता है, चन्द्रमा के समान चमकदार हार भी मनुष्य को सुशोभित नहीं करते है, न स्नान करना, न शरीर पर सुगन्धित द्रव्य का लेप करना न फूल लगाना और न ही सजे-धजे बाल ही मनुष्य की शोभा बढ़ाते है, जो संस्कार युक्त वाणी धारण की जाती है वह एक सभ्य वाणी ही मनुष्य को सुशोभित करती है। सारे आभुषण नष्ट हो जाते है केवल वाणी का आभुषण ही सच्चा आभूषण है।	
	सत्यम आभूषण किम् ?	वाग्भूषणं ।
श्लोक-	विद्या रक्षति पितेव हिते नियुङ्क्ते कान्तेव चाभिरमयत्यपनीयखेदम ।। लक्ष्मी तनीति वितनोति च दिक्षु कीर्ति किं किं न साधयति कल्पलतेव विद्या ।।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
श्लोक का अर्थ –	विद्या माता की तरह रक्षा करती है और पिता की तरह कल्याण में लगाती है, विद्या पत्नी के समान कष्ट को दूर कर आनन्दित करती है, विद्या लक्ष्मी को बढाती और सभी दिशाओं में यश फैलाती है इस प्रकार विद्या कल्पलता की तरह क्या-२ सिद्ध नहीं करती अर्थात् विद्या से सभी कार्य सफल होते है	
प्रश्न	अस्मिन् श्लोके पितेव किम् अर्थ अस्ति ?	पिता की तरह

पुनरावृत्ति :–

प्र०1 के पुरुषं न विभूषयन्ति ?

प्र०2. कानि क्षीयन्ते ?

प्र०3. का एका पुरुषं समलङ्करोति ?

over all teaching was good

गृहकार्य :–

अच्छा बच्चों कल आप सारे श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करके लेकर आओगे और याद करके आओ

Lesson No :...५...........

Date....14-2-2012.......... Duration of the period..........

Pupil Teacher's Name......प्रीति.......... Pupil Teacher's Roll No.....729..........

Class.....8th.......... Average Age of the pupils..........

Subject.....संस्कृत.......... Topic.....समवायो हि दुर्जय:

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

[redacted]

(i) विद्यार्थी एकता मे ही शक्ति है इस वाक्य के उदाहरण देने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी एकता का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते है।

[redacted]

(i) विद्यार्थी संगठन के उदाहरण देने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी संगठन का अर्थ बताने की योग्यता रखते है।

[redacted]

(i) विद्यार्थी संगठन का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी संगठन द्वारा किसी भी कार्य को जीतने की परिकल्पना करने की योग्यता रखते है।

[redacted] →

(i) विद्यार्थी संगठन का संश्लेषण करने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी संगठन मैं शक्ति का मूल्यांकन करने की योग्यता रखते है।

सामान्य **सहायक सामग्री :->** चाक, झाड़न, संकेतक, श्यामपट्ट इत्यादि

विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षण :->

छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
जिस व्यक्ति से हम अपना सुख, दुःख बाँटते है उसे क्या कहते है?	मित्र
हम सभी को आपस में कैसे रहना चाहिए?	मिलजुलकर, भाईचारे से
मिलजुलकर रहने से क्या होता है?	एकता बढ़ती है व प्रेम भाव बढ़ता है।
किसे जीतना कठिन है?	संगठन
संगठन क्या है?	?

उपविषय की घोषणा :-> बच्चों आज हम संगठन की जीतना कठिन है नामक शीर्षक के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
संस्कृत गद्य	पुरा एकस्मिन् वृक्षे एका चटका प्रतिवसति स्म। कालेन तस्याः सन्ततिः जाता। एकदा कश्चिद् प्रमत्तः गजः तस्य वृक्षस्य अधः आगत्य तस्य शाखां शुण्डेन अत्रोटयत्। चटकायाः नीडं भुवि अपतत्। तेन अण्डानि विशीर्णानि अथ सा चटका व्यलपत्। तस्याः विलापं श्रुत्वा काष्ठकूटः नाम खगः दुःखेन ताम् अपृच्छत् - भद्रे, किमर्थं विलपसि इति।	
प्रश्न →	प्रतिवसति का क्या अर्थ है?	निवास करना
गद्य की व्याख्या	पुराने समय में एक वृक्ष पर एक चिड़िया रहती थी। समय पर उसकी सन्तान हुई एक बार किसी मतवाले हाथी ने उस वृक्ष के नीचे आकर उसकी शाखा को सूंड से तोड़ दिया। चिड़िया का घोसला भूमि पर गिर गया। उससे अण्डे टूट गए। अब वह चिड़िया रोने लगी उसका विलाप सुनकर काष्ठकूट नाम के पक्षी ने दुःख पूर्वक उससे पूछा - "भली चिड़िया क्यों रो रही है"?	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्रा - क्रियाएँ
	चटकावदत् — "दुष्टेनैकेन गजेन मम सन्ततिः नाशिता। तस्य गजस्य वधेनैव मम दुःखम् अपसरेत्।" ततः काष्ठकूटः तां वीणारवा-नामन्याः मक्षिकायाः समीपम् अनयत्। तयोः वार्ता श्रुत्वा मक्षिकावदत् — "ममापि मित्रं मण्डूकः मेघनादः अस्ति। शीघ्रं तमुपेत्य यथोचितं करिष्यामि।" तदानीं तौ मक्षिकया सह गत्वा मेघनादस्य पुरः सर्वं वृत्तान्तं न्यवेदयताम्।	
प्रश्न —	अपसरेत् किम् अर्थ अस्ति?	दूर करना।
हिन्दी → व्याख्या	चिड़िया बोली — एक दुष्ट हाथी ने मेरी सन्तान नष्ट कर दी। उस हाथी के वध से ही मेरा दुख दूर होगा।" उसके बाद काष्ठकूट उस को वीणारवा नाम वाली मक्खी के पास ले गया। उन दोनों की बातचीत सुनकर मक्खी ने कहा — "मेरा भी मेघनाद नाम	

क्र० बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र - क्रियाएँ
	वाला एक मेंढक मित्र है। जल्दी ही उसके पास जाकर जो उचित होगा वही करेंगे।" तब उन दोनों ने मक्खी के पास मेघनाद के सामने सारा समाचार कह दिया।	
गद्य-	मेघनादः अवदत् - "यथाऽहं कथयामि तथा कुरुत्वम मक्षिके। प्रथमं त्वं मध्याह्ने तस्य गजस्य कर्णे शब्दं कुरु येन सः नयने निमील्य स्थास्यति। तदा काष्ठकूटः चञ्च्वा तस्य नयने स्फोटयिष्यति। एवं सः गजः अन्धः भविष्यति तृषार्तः सः जलाशयं गमिष्यति। मार्गे महान् गर्तः अस्ति। तस्य अन्तिके अहं स्थास्यामि शब्दं च करिष्यामि। मम शब्देन तं गर्तं जलाशयं मत्वा स तस्मिन्नेव गर्ते पतिष्यति।	
प्रश्न -	गर्ते किम् अस्ति ?	गड्ढे में।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
	तथा चोक्तम् - बहूनामप्यसाराणां समवायो हि दुर्जयः ।	
हिन्दी व्याख्या	मेघानाद ने कहा- "जैसा मैं कहता हूँ वैसा तुम दोनों करो हे मक्खी, पहले तुम दोपहर के समय उस हाथी के कान में शब्द करना जिससे वह दोनों आँखें बन्द करके रुक जाएगा तब काष्ठकूट चोंच से उसकी दोनों आँखें फोड़ देगा इस प्रकार वह अन्धा हो जाएगा प्यास से पीड़ित वह तालाब पर जाएगा रास्ते में बड़ा गड्ढा है उस के पास में रुक जाऊँगा और भी कहा गया है- अनेक निर्बलों का संगठन कठिनता से जीतने योग्य होता है। अर्थात् संगठन में ही शक्ति है।	

पुनरावृत्ति :→

(i) वृक्षे का प्रतिवसति स्म ?

(ii) गजः केन शाखाम् अत्रोटयत् ?

(iii) मक्षिकायाः मित्रं कः आसीत् ?

गृहकार्य :—

सभी विद्यार्थी इस पाठ का अर्थ याद करके लाएंगे ?

Teaching aid well used

Lesson No :.....9.........

Date....~~[illegible]~~ 15-2-2012............ Duration of the period..................

Pupil Teacher's Name.......प्रीति........... Pupil Teacher's Roll No.......729.........

Class....6th.......................... Average Age of the pupils..........................

Subject.......संस्कृत..................... Topic.......उपसर्ग..................

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

(i) विद्यार्थी उपसर्ग को पहचान~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे

(ii) विद्यार्थी उपसर्ग को प्रत्यास्मरण कर~~ने की योग्यता रखते हैं~~।

(i) विद्यार्थी उपसर्ग से सम्बंधित उदाहरण देने के योग्य हैं।

(ii) विद्यार्थी उपसर्ग का अर्थ बता~~ने की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे

(i) विद्यार्थी उपसर्ग ~~का~~ निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते हैं

(ii) विद्यार्थी उपसर्ग से सम्बन्धित कारण बताने ~~की~~ योग्य ~~रखते हैं~~। हो जाएंगे

(i) विद्यार्थी उपसर्ग से सम्बन्धित विश्लेषण कर सकेंगे~~हैं~~

(ii) विद्यार्थी उपसर्ग से सम्बन्धित मूल्यांकन कर सकेंगे~~हैं~~

सामान्य **सहायक सामग्री :->** चॉक, संकेतक, डस्टर इत्यादि

विशिष्ट **पूर्वज्ञान परीक्षण :->**

छात्राध्यापिका - क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
मूल शब्दों को जोड़कर जो नए-2 शब्द बनाए जाते है ?	शब्द निर्माण
शब्दों को मिलाकर क्या बनता है ?	वाक्य
उपसर्ग किसे कहते है ?	?

उपविषय की घोषणा :-> अच्छा बच्चों ! हम उपसर्ग के विषय में अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण —

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
उपसर्ग का अर्थ	वे शब्दांश जो संज्ञा शब्दों या धातुओं से पहले लगकर उसके अर्थ को ही बदल देते हैं। उन्हें उपसर्ग कहते हैं जैसे — मान शब्द का अर्थ है इज्जत और अपमान शब्द का अर्थ है - बेइज्जत।	
प्रश्न →	उपसर्ग की परिभाषा दीजिए ?	वे शब्दांश जो संज्ञा शब्दों या धातुओं से पहले लगकर उसके अर्थ को ही बदल देते हैं उन्हे उपसर्ग कहते हैं।
	इस प्रकार मान शब्द के आगे 'अप' (शब्द) उपसर्ग लग जाने से मान शब्द का अर्थ ही बदल गया उपसर्ग अनेक है जो इस प्रकार है :—	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका-क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ
प्र उपसर्ग	इस उपसर्ग का प्रयोग अधिक अथवा आगे के अर्थ में किया जाता है जैसे !–	
(i)	प्र+ गतिः = प्रगतिः	
(ii)	प्र + चरः = प्रचारः	
(iii)	प्र + कृतिः = प्रकृति	
प्रश्न :→	"प्र" उपसर्ग का कोई उदाहरण दीजिए ?	(i) प्र + कारः= प्रकारः (ii) प्र + काशः = प्रकाशः
परा उपसर्ग -	इस उपसर्ग का प्रयोग प्रायः विपरीत अर्थ में किया जाता है जैसे –	
(i)	परा + जयः = पराजय	
(ii)	परा+ जितः = पराजितः	
प्रश्न :–	परा उपसर्ग का कोई उदाहरण दीजिए ?	परा+क्रमः = पराक्रमः
अप उपसर्ग	यह उपसर्ग बुरे' हीन तथा अनुचित आदि अर्थों में प्रयुक्त होता है। जैसे :–	
(i)	अप + मानम् = अपमानम्	
(ii)	अप + यशः = अपयशः	
(iii)	अप + शब्द = अपशब्दः	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
अनु उपसर्ग	इस उपसर्ग का प्रयोग "पीछे' या बाद में आदि अर्थों में किया जाता है। जैसे :- अनु+शासनम् = अनुशासनम् अनु + भवः = अनुभव ।	
प्रश्न	"अनु' उपसर्ग का कोई उदाहरण दीजिए ?	अनु + शासन = अनुशासन ।
निस उपसर्ग →	यह उपसर्ग 'निषेध' रहित एवं बिना आदि अर्थों में प्रयुक्त होता है जैसे -	
(i)	निस + कपटः = निष्कपटः	
(ii)	निस + कामः = निष्कामः	
(iii)	निस + छलः = निश्छलः ।	
दुस उपसर्ग	इसका प्रयोग 'बुरे' तथा कठिन आदि अर्थों में प्रयुक्त होता है जैसे :→	
(i)	दुस + करः = दुष्करः	
(ii)	दुस + कर्म = दुष्कर्मः	
(iii)	दुस + शासन = दुश्शासनः	
प्रश्न -	"दुस" उपसर्ग का कोई उदाहरण दीजिए ?	दुस + कर्मः = दुष्कर्मः ।

पुनरावृति :→

प्र०1. उपसर्ग किसे कहते है?
प्र०2. परि व निस् उपसर्ग का कोई उदाहरण दीजिए?
प्र०3. दुस् उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए?

गृहकार्य :→

1.) उपसर्ग किसे कहते है विस्तारपूर्वक. वर्णन करो व याद करके लेकर लाओगे।

H.W work was done

Lesson No :......10.........

Date......15 - 2 - 2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name..... प्रीति

Pupil Teacher's Roll No. 720

Class.......6th........

Average Age of the pupils

Subject....... संस्कृत

Topic....... वाच्य

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :->

:-> विद्यार्थी वाच्य के बारे में जानने ~~की योग्यता रखते है~~ योग्य हो जाएँगे ।

(i) विद्यार्थी वाच्य के बारे में प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते है ।

बोधात्मक उद्देश्य :->

विद्यार्थी वाच्य के उदाहरण देने ~~की योग्यता रखते है~~ । योग्य

(ii) विद्यार्थी वाच्य के अर्थ बताने ~~की योग्यता रखते है~~ योग्य हो जाएंगे

[illegible]योगात्मक [illegible]श्य :->

(i) विद्यार्थी वाच्य से सम्बन्धित परिकल्पनाओं का निर्माण करने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी वाच्य का निष्कर्ष ~~निकालने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे ।

(i) विद्यार्थी वाच्य का संश्लेषण करने ~~की~~ योग्य ~~रखते है~~ हो जाएँगे ।

(ii) विद्यार्थी वाच्य का मूल्यांकन कर सकेंगे ~~है~~

सामान्य :-> चाक, संकेतक, झाड़न, श्यामपट्ट इत्यादि,

विशिष्ट " "

पूर्व ज्ञान परीक्षण :→

	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ
(1)	कर्ता किसे कहते है।	कार्य को करने वाला कर्ता कहलाता है।
(2)	कर्म किसे कहते है।	जिस पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है। उसे कर्म कहते है।
(3)	वाच्य किसे कहते है।	?

उपविषय की घोषणा :→ बच्चों आज हम वाच्य के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ	श्यामप
वाच्य का अर्थ	क्रिया का वह रूप जिससे यह बोध होता है कि क्रिया		

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	को मूल रूप से चलाने वाला कर्ता है कर्म है या भाव है वाच्य कहलाता है। वाच्य के प्रकार :- (i) **कर्तृवाच्य** (ii) **कर्मवाच्य** (iii) **भाववाच्य**	
प्रश्न	वाच्य किसे कहते हैं?	क्रिया का वह रूप जिससे यह बोध होता है कि क्रिया को मूल रूप से चलाने वाला कर्ता है या कर्म वाच्य कहलाता है
कर्तृवाच्य	जिन वाक्यों में कर्ता की प्रधानता होती और क्रिया के द्वारा मुख्य रूप से कर्ता का ही वर्णन किया जाता है, कर्तृवाच्य कहलाता है। इसमें अकर्मक तथा सकर्मक दोनों प्रकार की क्रियाएँ होती हैं। कर्तृवाच्य में कर्ता	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ
	प्रथमा विभक्ति में कर्म द्वितीया विभक्ति में तथा क्रिया के पुरुष एव वचन कर्त्ता के अनुसार होते है ? जैसे ! मोहन पुस्तकं पठति । (सकर्मक क्रिया) मोहन पुस्तक पढ़ता है । रामः पत्रं लिखति । (सकर्मक क्रिया) राम पत्र लिखता है । बालकः गच्छति । अकर्मक क्रिया बालक जाता है ।	
प्रश्न :-	वाच्य कितने प्रकार का होता है ?	तीन प्रकार का ।
अकर्मक क्रिया	जिस क्रिया के प्रयोग में कर्म की आवश्यकता नहीं पड़ती उसे अकर्मक क्रिया कहते है।	
प्रश्न !-	वाच्य के प्रकारों के नाम लिखिए ?	(1) कर्तृवाच्य (2) कर्मवाच्य (3) भाववाच्य

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
अकर्मक क्रिया का उदाहरण	जिस क्रिया के प्रयोग में कर्म की आवश्यकता नहीं पड़ती उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं जैसे- श्यामः पठति । (श्याम पढ़ता है) मोहनः लिखति । मोहन लिखता है।	
प्रश्न :-	अकर्मक क्रिया का उदाहरण दो?	श्यामः पठति।
सकर्मक क्रिया	जिस क्रिया के प्रयोग में कर्म की आवश्यकता पड़ती है उसे सकर्मक क्रिया कहते है। जैसे:- राम पुस्तकं पठति । (राम पुस्त पढ़ता है) मोहनं पत्रं लिखति । (मोहन पत्र लिखता है)	
प्रश्न :	सकर्मक क्रिया का कोई एक उदाहरण दो?	राम पुस्तकं पठति।
कर्मवाच्य	जब वाक्य में कर्ता की बजाय कर्म की प्रधानता होती है और क्रिया द्वारा मुख्य रूप से कर्म का वर्णन होता है वहाँ कर्मवाच्य होता है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
कर्मवाच्य का उदाहरण :->	रामेण पुस्तकं पठ्यते। (राम से पुस्तक पढ़ी जाती है)	
भाववाच्य	जब वाक्य में न तो कर्ता की प्रधानता होती है और न ही कर्म की वक्ता का भाव क्रिया से स्पष्ट हो जाता है वह भाववाच्य कहलाता है जैसे:- रामेण हस्यते। राम के द्वारा हँसा जाता है	

पुनरावृत्ती :-

प्र01 वाच्य किसे कहते है?

प्र02 प्रश्न- कर्मवाच्य किसे कहते है

प्र03 अकर्मक क्रिया से क्या तात्पर्य है।

गृहकार्य :-> वाच्य किसे कहते है और उसके प्रकारों का उदाहरण सहित व्याख्या करें।

Home work was given

Lesson No : 11

Date 17-2-2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति

Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 8th

Average Age of the pupils

Subject संस्कृत

Topic सुभाषितम् (अर्द्धवचन)

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

[redacted]

(i) विद्यार्थी "सुभाषितम्" का अर्थ जान~~ने की जिज्ञासा रखते है~~ सकेंगे

(ii) विद्यार्थी सुभाषितम का प्रत्यास्मरण ~~करने की योग्यता रखते है~~ कर सकेंगे।

[redacted] →

(i) विद्यार्थी सुभाषितम् के उदाहरण दे~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे

(ii) विद्यार्थी सुभाषितम् का अर्थ बता~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

[redacted] →

(i) विद्यार्थी सुभाषितम् का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते है

(ii) विद्यार्थी सुभाषितम से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण कर~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

[redacted]

(i) विद्यार्थी सुभाषितम् का संश्लेषण कर सकते है।

(ii) विद्यार्थी सुभाषितम् का मुल्यांकन कर सकते है

सामान्य **सहायक सामग्री :-** चौक, डैस्टर संकेतक आदि।

विशिष्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) ऐसी कौन-सी वस्तु है जो नष्ट कभी नहीं होती ?	आत्मा
2) समाज में मनुष्य की पहचान कैसे होती है ?	आचरण एवं धर्म के द्वारा
(3) आचरण मनुष्य कहाँ से सिखता है ?	ग्रन्थों से।
(4) ग्रन्थों में लिखे गए पद को क्या कहते है ?	?

उपविषय की घोषणा :->

अच्छा बच्चों ! आज हम सुभाषित के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका	छात्र क्रिय
सुभाषित् (i)	पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम् मुढ़ै: पाषाणखण्डेषु रत्न संज्ञा विधीयते।	
(ii)	यदि सत्सङ्गतिरतो भविष्यसि अथ दुर्जनसंसर्गे पतिष्यसि पतिष्यसि!!	
अर्थ→ 1	पृथ्वी पर तीन रत्न है-जल अन्न और अच्छे कथन मूर्खों के द्वारा ही पत्थर के टुकड़ो को रत्न का नाम दिया जाता है।	
(ii)	यदि सज्जनों की संगति में लीन रहोगे तो कल्याण के पथ पर बने रहोगे। अन्यथा दुर्जनों की संगति में आसक्त रहोगे तो अपने कल्याण के मार्ग से भ्रष्ट हो जाओगे।	
प्रश्न:-	पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि किम अस्ति ?	जलमन्नं सुभाषितम

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(iii)	गच्छन् पिपीलको याति योजनानाँ शतान्यपि । अगच्छन् वैनतेयोऽपि पदमेकं न गच्छति ।	
व्याख्या :-	जाता हुआ चींटा भी सैकड़ों कोसों तक चला जाता है न जाता हुआ गरुड़ भी एक कदम तक नहीं जा पाता ।	
प्रश्न)-	गच्छन् किम् अर्थ अस्ति?	जाता हुआ ।
	शोको नाशयते धैर्य शोको नाशयते श्रुतम् शोको नाशयते सर्व नास्ति शोकसमो रिपु !!	
व्याख्या	शोक धैर्य को नष्ट करता है, शोक ज्ञान को नष्ट करता है शोक सब कुछ नष्ट कर देता है । अर्थात शोक के समान कोई शत्रु नहीं होता ।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न	शी[illegible] किम् नामधेयी?	धैर्य।
सुभाषित पद्य	गौरवं प्राप्यते दानात् न तु वित्तस्य सञ्चयात स्थितिरुच्चैः पयोदानी पयोधीनामधः स्थिति।।	
अर्थ→	धन का दान करने से गौरव प्राप्त होता है न कि संग्रह करने से जल देने वाले मेघों की स्थिति ऊपर होती है। तथा जल धारण करने वाले समुद्र की स्थिति नीची होती है।	
प्रश्नः-	गौरवं किम् प्राप्यते?	दानात।
पद्य	सद्भिस्तु लीलया प्रोक्तं शिला लिखित मक्षरम्	
अर्थ→	सज्जनों के द्वारा हँसी-मजाक में कहा गया शब्द चट्टान पर लिखे हुए के समान होता है।	

पुनरावृत्ति :→

प्र०1 पृथिव्यां कति रत्नानि सन्ति ?

प्र०2 केषाम् उद्गमै: तरव: नम्रा: भवन्ति ?

प्र०3 दानात् किं प्राप्यते ?

गृहकार्य :-

प्र०1 सभी श्लोकों के अर्थ लिखिए ?

प्र०2 सभी श्लोकों को याद करके तथा अपनी नोट
बुक में लिखकर लाओगे ?

Home work was given.

Lesson No : 12

Date 18 - 2 - 2012 Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 9th Average Age of the pupils

Subject संस्कृत Topic मूर्ख मित्रम

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

(i) विद्यार्थी मित्रता के बारे में जानने ~~की योग्यता रखते है~~ योग्य हो जाएंगे।

(ii) विद्यार्थी मित्रता के विषय में प्रत्यास्मरण ~~करने की योग्यता रखते है~~। कर सकेंगे

(i) विद्यार्थी मित्रता के उदाहरण दे~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी मित्रता और मूर्ख मित्रता में अन्तर करने ~~की योग्यता रखते है~~। हो जाएंगे

(i) विद्यार्थी मित्रता से सम्बन्धित निष्कर्ष निकालने ~~की~~ योग्य~~ता रखते है~~। योग्य हो जाएंगे।

(ii) विद्यार्थी मित्रता से सम्बन्धित परिकल्पनाओं का निर्माण करने ~~की~~ योग्य~~ता रखते है~~ हो जाएंगे

सामान्य **सहायक सामग्री** !→ चॉक, डस्टर, संकेतक इत्यादि

विशिष्ट ,, ,,

पूर्वज्ञान परीक्षण !→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1 अच्छा बच्चों ये बताइए हमारे ग्रन्थ कौन-२ से है ?	रामायण, महाभारत इत्यादि।
(2) जामवन्त, हनुमान, सुग्रीव आदि पात्रों में से किसका चेहरा बन्दर जैसा है ?	हनुमान।
(3) हनुमान का चेहरा किस पशु जैसा है ?	बन्दर।
(4) बन्दर (पशु) को आप मूर्ख या बुद्धिमान, कौन-सी श्रेणी में रखोगे ?	?

उपविषय की घोषणा !→

अच्छा तो बच्चों आज हम राजा और बन्दर की मूर्ख मित्रता के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत गद्य.	एकस्मिन नगरे एक: नृप आसीत: । तस्य भवने बहव: पशव: आसन् ते तस्य सेवाम् अकुर्वन तेषु प्रिय: अभवत् ।	
गद्य का अर्थ :-	एक नगर में एक राजा था उसके भवन में बहुत पशु थे। वे उसकी सेवा करते थे। उनमें से एक बन्दर उसका प्रिय हो गया था।	
गद्य	एकदा नृप: सुप्त: आसीत् तदा स: वानर: व्यजनेन तम् अविजयत् तस्मिन एव काले एका मक्षिका नृपस्य नासिकायाम उपविशत् वानरः वारं वारं ताम् मक्षिकाम् पुन: पुन: आगत्य तत्रैव तिष्ठत् ।	
गद्य का अर्थ	एक बार राजा सोया हुआ था वह बन्दर	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	पंख से राजा की हवा कर रहा था इसी समय एक मक्खी राजा की नाक पर बैठ गई। बन्दर के हटाने पर मक्खी बार-2 वहीं बैठ गई।	
प्रश्न :—	मक्षिका शब्दस्य विशेषणम् किम्?	एका
(गद्यांश)	तेन सः वानरः क्रुद्ध अभवत् ताम् मक्षिका हन्तु सः खड्गेन प्रहारम् अकरोत् मक्षिका तु उड्डीय दूरम् आगच्छत् किन्तु खड्ग प्रहारेण नृपस्य नासिका छिन्न अभवत् अतः मूर्खजनैं सह मित्रता नौचिता।	

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हिन्दी में अनुवाद	उससे वह बन्दर क्रोधित हो गया उस मक्खी को मारने के लिए उसने तलवार से प्रहार किया मक्खी तो उड़कर चली गई किन्तु तलवार से प्रहार से राजा की नाक कट गई । इसलिए कहा जाता है कि मुर्खों के साथ मित्रता उचित नहीं होती । अतः हम कह सकते हैं कि मुर्खों से मित्रता समय आने पर स्वयं के लिए हानिकारक हो सकती है । हम मुर्ख की सङ्गति से हमेशा बचना चाहिए ।	
प्रश्न-	उड्डीय अर्थं किम् [illegible] अस्ति ?	उड़्कर ।

पुनरावृत्ति :→

प्र०1 नगरे कः आसीत् ?

प्र०2. वानरः केन अवीजयत् ?

प्र०3. नासिकायाम् को उपविशत् ?

प्र०4. खड्गप्रहारेण किम् अभवत् ?

गृहकार्य :→

प्र०1 प्रस्तुत कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखो ?

प्र०2. इस कहानी का उद्देश्य समझाइए ?

Teaching aid were used.

Lesson No : 13

Date 21 - 2 - 2012 Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 7th Average Age of the pupils

Subject संस्कृत Topic चतुर वानरः

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

[redacted] ->

(1) विद्यार्थी चतुर वानर को पहचानने ~~की~~ योग्य ~~रखते~~ हो जाएँगे।

(11) विद्यार्थी कहानी को प्रत्यास्मरण करने ~~की~~ ~~योग्यता~~ ~~रखते~~ ~~है~~ योग्य हो जाएँगे।

[redacted]

(1) विद्यार्थी चतुर वानर नामक कहानी के ~~जैसे~~ और उदाहरण देने की योग्यता रखते है।

(2) विद्यार्थी चतुर वानर का अर्थ बताने की योग्यता ~~रखते है।~~ सकेंगे

[redacted] ->

(1) विद्यार्थी चतुर वानर नामक कहानी का निष्कर्ष निकालने ~~की योग्यता रखते है।~~ सकेंगे।

(11) विद्यार्थी चतुर वानर से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण ~~करने की योग्यता रखते है।~~ कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→

(1) विद्यार्थी चालक बन्दर नामक कहानी का मुल्योकन कर सकते हैं।

सामान्य सहायक सामग्री :→ चाक, संकेतक डाइन आदि

विशिष्ट

पुर्वज्ञान परीक्षण :—

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) पशु पक्षी अधिकतर कहाँ पर रहते हैं?	जंगलों में।
(2) जंगल का राजा कौन होता था?	शेर।
(3) पक्षियों में सबसे चालक कौन होता है?	कौवा कोयल
(4) जानवरों में सबसे चालक कौन होता है	?

उपविषय की घोषणा :→ अच्छा तो बच्चों, आज हम चतुर वानर नामक कहानी के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत गद्यांश	कस्मिन् नदीतीरे एक: जम्बू वृक्ष: आसीत् तस्मिन एक: वानर: प्रति वसति स्म स: नित्यं तस्य फलानि खादति स्म कश्चित् मकर: अपि तस्याम नद्यामवसत् । वानर: प्रतिदिनम् तस्मै जम्बू- फलानि अयच्छत् तेन प्रीत: मकर: तस्य वानरस्य मित्रम् भवत्	
प्रश्न :-	नित्यं किम् अर्थ अस्ति,	नित्यं रोज या प्रतिदिनं ।
हिन्दी में अनुवाद	एक नदी के किनारे एक जामुन का पेड़ था उस पर एक बन्दर रहता था । वह हमेशा उसको (फल) इस जामुन देता था । वह मगरमच्छ भी उस नदी में रहता था बन्दर उससे हमेशा जामुन देता था उससे खुश होकर	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
	मगर उसका मित्र बन गया।	
संस्कृत गद्यांश :→	एकदा मकर: कानिचित् जम्बूफलानि भलेये अपि दातुम आनयत्। तानि खादित्वा तस्या: जाया अचिन्तयत्। अहो य: प्रतिदिन दिनी दृशानि नूनम् तस्य हृदयं अपि अति मधुरं भविष्यति।	
प्रश्न :-	तस्या: जाया कथा अचिन्तयत्?	य: प्रतिदिनं दिनी दृशानि नूनम तस्य हृदयं अपि अति मधुरं भविष्यति।
अर्थ :-	एक बार मगर कुछ जामुन अपनी पत्नी को देने के लिए लाया उनको खाकर उसकी पत्नी ने सोचा, अहो जो प्रतिदिन ऐसे फल खाता है निश्चय ही उसका	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	भी मधुर होगा।	
	तीरे कः अस्ति:?	एक जम्बु वृक्ष अस्ति
गद्यांश	बुभक्षकस्य तव मित्रस्य पि जम्बुवत मधुर भविष्यति अहं तदैव खादितुम इच्छामि, तस्य हृदयभक्षणे मम बलवती स्पृहा यदि मां जीवितं दृष्टुमिच्छसि तर्हि य शीघ्र तस्य वानरस्य हृदयम पल्मा। हठात विवशः मकरः नदीतीरम गत्वा वानरमवदत बन्धो।	
पुन	नीच्यामि क्रियापदस्य कः कर्ता ?	अहम्
व्याख्या	खाने वाले तुम्हारे मित्र का हृदय भी जामुन के समान मधुर होगा मैं उससे ही खाना चाहती है उसके हृदय को खाने की इच्छा बहुत बलवती है यदि तुम मुझे जीवित देखना चाहते हो तो बन्दर का हृदय ले आओ	

पुनरावृती !→

प्र०① जम्बुवृक्षः कुत्र आसीत् ?
प्र०२ मकरः कुत्र प्रतिवसति स्म ?

गृहकार्य !—

प्र०१ मकर! कुत्र वसति स्म! ।

प्र०२ कहानी का सांराश लिखकर तथा याद करके लेकर आओगे ।

Lesson No : 14

Date 22-2-2012 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name प्रीति Pupil Teacher's Roll No. 724

Class 9th Average Age of the pupils

Subject संस्कृत Topic नीति वचन

अनुदेशनात्मक उदेश्य

[redacted]

(1) विद्यार्थी नीतिवचन को पहचान~~ने की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे।
(2) विद्यार्थी नीतिवचन को प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते हैं

[redacted]

(1) विद्यार्थी नीतिवचन के उदाहरण दे~~ने की योग्यता रखते हैं~~ सकेंगे
(2) विद्यार्थी नीति वचन का अर्थ बताने ~~की योग्यता रखते हैं~~। हो जाएँगे

[redacted]

(1) विद्यार्थी नीतिवचन का निष्कर्ष निकाल~~ने की योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे
(ii) विद्यार्थी नीतिवचन से सम्बन्धित कारण बताने ~~की योग्यता रखते हैं~~ हो जाएँगे।

[redacted]

(1) विद्यार्थी नीतिवचनों का संश्लेषण कर सकेंगे ~~हैं~~
(ii) विद्यार्थी नीतिवचनों का मूल्यांकन कर सकेंगे ~~हैं~~

सामान्य **सहायक सामग्री** :→ चाक, डस्टर, संकेतक, श्यामप
विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) हमारे प्राचीन ~~क~~ ग्रन्थ कौन - 2 से है?	रामायण, गीता महाभा आदि।
(2) इन ग्रन्थों में क्या है?	इन ग्रन्थों में मनुष्य को नीति वचन सुभाषित व सूक्ति के सुन्दर वाक्यों द्वारा उपदेश प्रदा किया है।
(3) मनुष्य अपने जीवन को सफल और समृद्ध किसके द्वारा बनाते है?	नीतिग्रन्थों का अनुसर करके।
(4) नीतिग्रन्थ किसे कहते है?	?

उपविषय की उद्घोषणा :— अच्छा तो बच्चो! आज हम नीतिकाव्य के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत श्लोक	वृतं यत्नेन संरक्षेद वितमेति च याति च अक्षीणो वितत: क्षीणो वृतस्तु हतो हत: ॥	
अर्थ:-	~~प्रय~~ प्रयत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए (धन की नहीं क्योंकि) धन तो आता है और चला जाता है धन के नष्ट हो जाने पर (मनुष्य) कुछ भी नष्ट नहीं हुआ है लेकिन चरित्र के नष्ट हो जाने पर (मानव) मरे हुए के समान होता है। अर्थात सब कुछ नष्ट हो जाता है।	
प्रश्न	वृतं किम् अस्ति ?	आचरण ।
संस्कृत श्लोक	(प्रयत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए) श्रूयतां धर्मसर्वस्वं श्रुत्वा चैवावधार्यताम । आत्मन: प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत ॥	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
अर्थ	धर्म का सब कुछ सुनना चाहिए और सुनकर ही धारण भी करना चाहिए (अपने प्रतिकूल दूसरों के साथ व्यवहार नहीं करना चाहिए।	
संस्कृत श्लोक :-	प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः तस्माद तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥	
अर्थ :-	समस्त प्राणी प्रिय वचनों के बोले जाने से सन्तुष्ट होते हैं, इसलिए वे (मधुर वचन) ही बोले जाने चाहिए वचनों (बोलने) में कैसी गरीबी)	
प्रश्न :-	जन्तवः ~~कौन~~ केन विधिना तुष्यन्ति ?	प्रियवाक्यप्रदाने।
संस्कृत श्लोक	पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः परोपकाराय सतां विभूतयः ॥	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ
अर्थ	नदियाँ स्वयं अपना जल नहीं पीती है और वृक्ष स्वयं अपने फल नहीं खाते है। निश्चय ही पृथ्वी को हरा-भरा करने को ही जल के वाहक बादल गरजते है सत्य है कि सज्जनों की सम्पति परोपकार के लिए ही होती है।	
प्र०	सुभाषितानि किमं सन्ति ?	सन्तुष्ट।
संस्कृत श्लोक	गुणेष्वेव हि कर्तव्यः प्रयत्नः पुरुषैः सदा गुणयुक्तो दरिद्रोऽपि नैश्वरैरगुणैः समः॥	
	पुरुषो को सदैव गुणों को ग्रहण करने का प्रयत्न करना चाहिए क्योंकि गुणों से युक्त निर्धन व्यक्ति भी गुणों से हीन ऐश्वर्यवान (धनवान) से श्रेष्ठ होता है	
प्र०	पुरुषैः किमर्थं प्रयत्नः कर्तव्यः ?	गुणेष्वेव हि कर्तव्यः प्रयत्नः पुरुषैः सदा गुण युक्तो दरिद्रोऽपि,

पुनरावृती :→

प्र01 यत्नेन किं रक्षेत् वित्तं वृत्तं वा ?

प्र02. जन्तवः केन विधिना तुष्यन्ति ?

प्र03. सज्जनानां मैत्री कीदृशी भवति ?

गृहकार्य :-

प्रश्न निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखकर तथा याद करके आओगे।

Lesson No : 15

Date 23-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 9th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic महाकवि दण्डी

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

(i) विद्यार्थी महाकवि दण्डी के विषय में जानने ~~की~~ ~~योग्यता रखते है।~~ सकेंगे

(ii) विद्यार्थी महाकवि दण्डी को पहचानने ~~की~~ योग्य~~ता रखते है~~। हो जाएंगे।

(i) ~~विद्यार्थी~~ दण्डी ~~की~~ रचनाओं के उदाहरण दें ~~की योग्यता रखते है।~~ दे सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी दण्डी की रचनाओं को बताने ~~की~~ योग्य~~ता रखते है~~। हो जाएंगे।

(i) विद्यार्थी दण्डी की रचनाओं का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते है।

(ii) विद्यार्थी दण्डी की रचनाओं की परिकल्पना करने की योग्यता रखते है।

(i) विद्यार्थी दण्डी की रचनाओं का विश्लेषण कर सकते है।

(ii) विद्यार्थी दण्डी के जीवन के महत्व का मुल्यांकन कर सकते है।

सामान्य **सहायक सामग्री :-** चाक, डैस्टर; पॉइनटर।

विशिष्ट " "

पुर्वज्ञान परीक्षण :->

छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत साहित्य कैसा साहित्य है?	प्राचीन साहित्य
संस्कृत साहित्य की कौन-कौन सी विधाएँ है?	गद्य, पद्य व नाटक
संस्कृत में किसके पद-लालित्य की प्रशंसा की जाति है।	दण्डी के
दण्डी की कौन-2 सी रचनाएं है	?

उपविषय की उद्घोषणा :- अच्छा तो बच्चों आज हम महाकवि दण्डी के जीवन तथा रचनाओं के बारे में पढ़े

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
दण्डी का जीवन परिचय	अवन्तिसुन्दरीकथा के अनुसार दण्डी भारवि के प्रपौत्र थे भारवि का एक नाम दामोदर भी था उनके पुत्र का नाम मनोरथ था मनोरथ के चार पुत्र थे जिनमे सबसे छोटा पुत्र वीरदत्त था यह वीरदत्त ही दण्डी के पिता थे। दण्डी की माता का नाम गौरी था दण्डी कांची-निवासी थे।	
प्रश्न-	दण्डी के पिता का क्या नाम था ?	वीरदत्त
दण्डी का समय	इतिहासकारों ने दण्डी के समय की पूर्वसीमा 550 ई० के लगभग और और अपर सीमा 600 ई० के लगभग	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ
	निर्धारित की है। विभिन्न विद्वानों ने अपने मतानुसार दण्डी का जीवन अलग-2 ई० पूर्व। अपर सीमा भी लगभग ~~ई~~ निर्धारित की है।	
प्रश्न !-	दण्डी की माता का क्या नाम था?	गौरी
प्र० :-	दण्डी का समय बताइए कितना था?	600 ई० के लगभग
दण्डी की रचनाएँ !-	इतिहासकारों ने दशकुमार चरित, काव्यादर्श, अवन्ति-सुन्दरीकथा, छन्दोविचिति, कलापरिच्छेद द्विसन्धान काव्य यहाँ तक मृच्छकटिक की भी चर्चा दण्डी की रचनाओं के रूप में की जाती है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	'दशकुमार-चरित' दण्डी की रचना है इसमें किसी को विमति नहीं है। इसी प्रकार काव्यदर्श भी उन्ही की रचना है। यह भी स्वीकार्य है 'अवन्ति सुन्दरी कथा' दण्डी की ही रचना है। इस विषय में पर्याप्त मतभेद है। अधिकांश विद्वान उसकी प्रमाणिकता पर सन्देह करते है काव्यदर्श में छन्दो-विचिति और कला-परिच्छेद का उल्लेख हुआ है। यह अभी उपलब्ध नहीं है।	
प्र० :	दशकुमार चरित में कितने कुमारों का वर्णन है ?	दश
	दण्डी का पद लालित्य प्रंशसनीय है।	

पुनरावृती :→

प्र०1 दण्डी के पिता का क्या नाम था ?

प्र०2. दण्डी की कितनी रचनाएँ हैं ? लिखिए

प्र०3. दण्डी की समय - सीमा क्या है ?

गृहकार्य :-

प्र०1 दण्डी का जीवन - परिचय लिखकर तथा याद करके लेकर आओगे ।

Lesson No : 16

Date 24-2-2012 Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 6th Average Age of the pupils

Subject संस्कृत Topic भारतवर्षम्

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :->

(i) विदयार्थी भारत की महानता के बारे में जानने ~~की जिज्ञासा रखते है~~ सकेंगे ।

(ii) विद्यार्थी भारत की महानता का प्रत्यास्मरण कर~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे ।

(i) विदयार्थी भारत की महानता के विषय में उदाहरण दे सकेगा ~~है~~ ।

(ii) विदयार्थी भारतीय व उनकी संस्कृति का आपस में सम्बन्ध बता सकेगा ~~है~~

(i) विद्यार्थी भारतीय इतिहास की परिकल्पना कर~~ने की योग्यता रखते है~~ सकेंगे ।

(ii) विद्यार्थी भारत का विभाजन होने के कारण बता सकेगा है ।

(3) कौशलात्मक उद्देश्य :-

(i) विद्यार्थी भारतीय इतिहास का विश्लेषण करने कर सकते है।

(ii) विद्यार्थी भारतीय इतिहास का मूल्यांकन कर सकते है।

सामान्य सहायक सामग्री :→ चाक, डस्टर संकेतक।
विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) प्राचीन काल मे हमारे देश का क्या नाम था ?	सोने की चिड़ियाँ
(2) हमारा देश कब आजाद हुआ था ?	15 अगस्त 1947 को
(3) भारतवर्ष के इतिहास के विषय में बताइए ?	?

उपविषय की उद्घोषणा :→ बच्चों आज हम भारत व उसके इतिहास के विषय में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत गद्य	भारतदेशः एक महान् देश अस्ति अति विस्तृतोऽयं देशः काश्मीरतः — कन्याकुमरी पर्यन्तम शोभते, अस्य देशस्य उत्तरस्याँ हिमालयः शुभ्रकिरीटः इव शोभते ।	
अर्थ	भारत देश एक महान देश है यह कश्मीर से कन्याकुमारी तक के विस्तृत भाग में फैला हुआ है	
प्र०	भारतः देशः विस्तृत कः किम् विस्तार्य अस्ति ?	काश्मीरः च कन्याकुमारी विस्तृत अस्ति ।
संस्कृत गद्य	अत्र अनेका नद्यः सहस्रशश्च यथा ब्रह्मपुत्र, गङ्गा, यमुना सिन्धु कावेरी,	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
	नर्मदाद्या: अस्य देशस्य हृदयं सरसं कुर्वन्ति । अस्य देशस्य प्राकृतिकी शोभा वर्तते, अत्र षण्णाम ऋतूनां सुन्दर: क्रम अस्ति ।	
प्र०	भारतदेशस्य का ऋतु: सन्ति ?	षण्णाम ऋतूनां सुन्दर क्रम अस्ति ।
अर्थ :-	यहाँ अनेक प्रकार की नदियाँ बहती है । जैसे गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सिन्धु, कावेरी, नर्मदा इस देश की प्राकृतिक शोभा अनुपम है, यहाँ छः ऋतुओं का सुन्दर क्रम है	
प्रश्न	भारत देशस्य उत्तर-दिशायां किम् अस्ति	पर्वतराज हिमालय

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत गद्य	षड्ऋतवः भारतभुवलङ्कुर्वन्ति क्रमशः आयान्ति अन्येषु देशेषु षड्ऋतवः न भवन्ति प्रथमेव सः देशः यत्र वेदाः प्रादुर्भूता वेदाः विश्व साहित्ये प्राचीनतमा सन्ति	
अर्थ:-	छः ऋतुएँ क्रमशः भारत भूमि को अलंकृत करती है छः ऋतुएँ, अन्य देशों में [illegible] नहीं है। इस देश में अनेकों वेद हैं। यहाँ के वेद विश्व की प्राचीनतम निधि मानी जाती है।	
प्रश्न	अस्य देशस्य हृदयं किम् कुर्वन्ति?	अस्य देशस्य हृदयं सरसं कुर्वन्ति।

पुनरावृती !—

प्र01 भारत देशः विस्तारः का अस्ति ?

प्र02 अस्य उत्तर दिशाया किम् अस्ति ?

प्र03 भारतदेशस्य काः नदियाः सन्ति ?

गृहकार्य !→ "भारतवर्षस्य" संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर तथा याद करके आओगें।

Lesson No : 17

Date 25-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 724
Class 7th
Average Age of the pupils
Subject संस्कृत
Topic प्रयागवर्णनम्

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

[redacted]

(i) विद्यार्थी इलाहाबाद नगर को जानने ~~की जिज्ञासा रखते हैं।~~ योग्य हो जाएँगे।

(ii) विद्यार्थी इलाहाबाद नगर को पहचानने ~~की योग्यता रखते हैं।~~ सकेंगे।

(2) [redacted]

(i) विद्यार्थी तीर्थस्थलों के उदाहरण दे सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी तीर्थस्थल का अर्थ बताने ~~की योग्यता रखते हैं।~~ सकेंगे।

(3) [redacted]

(i) विद्यार्थी "प्रयागवर्णनम" के महत्व को बता सकेंगे हैं।

(ii) विद्यार्थी प्रयाग को तीर्थ-स्थल के नाम से प्रसिद्ध होने का कारण बता सकेंगे हैं।

(3) कौशलात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी प्रयाग के महत्व का मूल्यांकन कर सकते हैं।

(ii) विद्यार्थी प्रयागतीर्थराज का विश्लेषण कर सकते हैं

सामान्य सहायक सामग्री :→ चाक, डस्टर, संकेतक।

विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षण

	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(i)	भारतीय संस्कृति किस पर आधारित है?	धर्म व कर्मकाण्ड पर
(ii)	भारत में कितने धर्म के लोग रहते हैं?	चार धर्मों के।
(iii)	तीर्थों का राजा किसे कहते हैं?	?

उपविषय की उद्घोषणा :→ बच्चों आज हम तीर्थ
प्रयाग के विषय में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
संस्कृत गद्य	भारतवर्ष धर्मप्राणो: देश: अस्ति। अत्र अनेके ऋषय मनुय: धर्मप्रवर्तका: धर्मप्रचारकाश्चाभवन्। भारत वसुन्धरा धर्मशास्त्रेषु पुण्यदा कीर्तिमा, अत्र अनेकानि तीर्थस्थानानि सन्ति। यथा — केदारनाथ - बदीनाथ द्वारका, जगन्नाथपुरी रामेश्वर, हरिद्वार, काशी, प्रयाग प्रभृतीनि सन्ति। परन्तु "प्रयागराज" तीर्थानां राजा कथ्यते।	
हिन्दी/प्र व्याख्या	भारतवर्ष क: देश अस्ति? भारतवर्ष धर्म प्राण देश है। यहाँ अनेक ऋषि मुनि व धर्मप्रवर्तक आदि धर्म के प्रचारक हुए हैं भारत - भूमि धर्म शास्त्रों से पुण्य व कीर्तिमान है। यहाँ पर अनेक तीर्थ स्थान हैं। जैसे :-	धर्मप्राणो: ।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	केदारनाथ, बदरीनाथ द्वारका, जगन्नाथपुरी रामेश्वर, हरिद्वार काशी, प्रयाग, आदि प्रसिद्ध तीर्थ हैं। परन्तु इन सभी तीर्थों में से प्रयागराज को तीर्थों का राजा कहा जाता है।	
प्र० =	तीर्थानां राजा किम् कथ्यते ?	प्रयागराज
संस्कृत गद्य	प्रयागः गङ्गायमुनयोः सङ्गमे स्थितं अस्ति अत्र ब्रह्मा! प्रकृष्टया यागकरवान् अस्य प्रयाग नाम अभवत्। प्रयाग नगरं पुराणेषु पवित्रम, पुण्यप्रद मोक्षदम् कीर्तितम् इदं नगरं भारतवर्षे प्रमुखनगरेषु अस्ति प्रयागस्य अपरं नाम 'इलाहाबाद' इत्यपि वर्तते 'इदं कथ्यते इति	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ
	प्रयागस्य इलाहाबाद नाम अकबरनामा सम्राट् स्वइलाही धर्मानुसारेण कृतवान् ।	
प्र०	प्रयागस्य अपरं नाम क्या कथ्यते ?	इलाहाबाद
	प्रयाग में गंगा-यमुना का संगम है, यहाँ पर ब्राह्मणों द्वारा महान यज्ञ करने के कारण इसका नाम प्रयाग पड़ा पुराणों में वर्णित है कि प्रयाग में पवित्रता पुण्य तथा मोक्ष विद्यमान है। प्रयाग का दूसरा नाम इलाहाबाद है ऐसा कहा जाता है कि अकबर नाम के सम्राट ने अपने इलाही धर्म के अनुसार प्रयाग को नाम इलाहाबाद किया।	

पुनरावृती :-

प्र01 तीर्थराज नाम से प्रसिद्ध नगर कौन-सा है?

प्र02 प्रयाग की आधुनिक नाम क्या है?

प्र03 भारत के तीर्थस्थानों के नाम लिखए?

गृहकार्य :->

अच्छा तो बच्चो कल 'प्रयाग वर्णन' नामक पाठ को लिखकर तथा याद करके ~~लिखकर~~ लिखकर लाओगे।

Lesson No :....18.......

Date 27 - 2 - 2012

Duration of the period..............................

Pupil Teacher's Roll No. 729

Pupil Teacher's Name प्रीति

Average Age of the pupils..............................

Class 10th

Topic श्रीमद्भगवद्गीता

Subject संस्कृत

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य :->

(i) विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता को जानने ~~की जिज्ञासा रखते है।~~ योग्य हो जाएँगे।

(ii) विद्यार्थी श्रीमद् भगवद्गीता का प्रत्यास्मरण ~~करने की योग्यता रखते है।~~ कर सकेंगे

(i) विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोको को सामान्यकरण करने ~~की योग्यता रखते है।~~ सकेंगे

(i) विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता का निष्कर्ष निकालने ~~की योग्यता रखते है।~~ सकेंगे

(ii) विद्यार्थी श्रीमद भगवद्गीता से सम्बन्धित परिकल्पनाओं का निर्माण कर सकेंगे है।

5

(i) विद्यार्थी श्रीमद्भगवद् गीता से सम्बन्धित

विश्लेषण कर सकेंगे।

(ग) विद्यार्थी श्रीमदभगवद्गीता से सम्बन्धित मूल्यांकन कर सकेंगे।

सामान्य सहायक सामग्री !→ —चॉक, डस्टर, संकेतक।

विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ऐसी कौन-२ सी वस्तु है जो कभी नष्ट नहीं होती?	आत्मा
आत्मा कहाँ होती है?	शरीर में।
क्या भिन्न-२ शरीर में भिन्न-२ आत्मा होती है?	नहीं।
निष्काम भाव से कर्म करते रहना चाहिए यह किस शास्त्र में कहा गया है?	?

उपविषय की उद्घोषणा :→

अच्छा तो बच्चो आज हम श्रीमदभगवदगीता के विषय में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत श्लोक	क्लैव्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परन्तप ॥	
सन्दर्भ:-	प्रस्तुत श्लोक श्रीमद्भगवद्-गीता के द्वितीय अध्याय से उद्धृत है।	
प्रसंग:-	युद्ध में सगे सम्बन्धियों को देखकर अर्जुन विषाद करने लगा भगवान श्रीकृष्ण ने उसे युद्ध के लिए तैयार रहने का उपदेश दिया।	
प्र०	दौर्बल्य किम् अर्थं अस्ति?	दुर्बलता
व्याख्या:-	हे पृथा पुत्र अर्जुन तुम नपुंसकता को मत प्राप्त हो वह तुम्हारे लिए उपयुक्त नहीं है! हे परन्तप तुम हृदय की क्षुद्र दुर्बलता को त्याग कर उठो।	
प्रश्न!	क्षुद्रं किम् अर्थं अस्ति?	तुच्छ या छोटी सी

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत श्लोक	अशोच्यानन्वशोचस्त्वंप्रज्ञावादाय भाषसे । गतासुनगतासूंश्चनानुशोचन्ति पण्डिता:।।	
प्रसंग	अर्जुन को कर्तव्यविमुख होता देख भगवान श्री-कृष्ण ने कहा है कि हे अर्जुन पण्डितो के मार्ग पर नही चल रहा है।	
[illegible] :- व्याख्या :-	तुम न शोक करने योग्य जनों के लिए शोक करते हो और पण्डितो जैसे वचन कहते हो। किन्तु पण्डित जन उन दोनों ही प्रकार के लोगों के लिए शोक नही करते जो कि मर चुके है और जो कि मरे नही है अर्थात् जीवित है।	
प्र० :-	गतासुनगता किम् अर्थं अस्ति ?	जीवित है।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संस्कृत श्लोक	देहिनोऽस्मिन यथा देहे कौमारं यौवनं जरा, तथा देहान्तरप्राप्तिधीरस्तत्र न मुह्यति ॥	
प्रसंग :–	इसमें श्रीकृष्ण अर्जुन को यह समझा रहे हैं कि प्राणियों की सार्वकालिक सत्ता कैसी होती है।	
व्याख्या	हे अर्जुन । जिस प्रकार आत्मा को इस शरीर में कुमार (बचपन) युवा, वृद्ध अवस्था की प्राप्ति होती है. उसी प्रकार दूसरे शरीर की भी प्राप्ति होती है । उस विषय में धीर-पुरुष को मोहित नहीं होना चाहिए ?	
प्रश्न !	देहिनऽस्मिन् कथा अवस्था अस्ति ?	उत्तर ।

पुनरावृती :→

प्र01. श्रीकृष्ण ने अर्जुन को शरीर में आत्मा की कितनी अवस्था प्राप्ति बताई है?

प्र02. श्रीमद् भगवद्गीता में आत्मा को कैसा बताया गया है?

प्र03. पार्थ-पुत्र किसे कहाँ है?

गृहकार्य :→

अच्छा तो बच्चो ! कल आप सारे श्लोकों का अर्थ लिखकर तथा याद करके ले लाओगे ।

Lesson No : 19

Date 28-2-2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name प्रीति

Pupil Teacher's Roll No. 729

Class 8th

Average Age of the pupils

Subject संस्कृत

Topic प्रत्यय

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

(i) विद्यार्थी प्रत्यय के बारे में जानने ~~की~~ योग्य~~ता~~ ~~रखते हैं~~। हो जायेंगे।

(ii) विद्यार्थी प्रत्यय के बारे में प्रत्यास्मरण कर~~ने की~~ ~~योग्यता रखते हैं~~। सकेंगे

(i) विद्यार्थी प्रत्यय के उदाहरण दे सकेंगे ~~हैं~~।

(ii) विद्यार्थी प्रत्यय का अर्थ बता सकेंगे हैं।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :—

(i) विद्यार्थी प्रत्यय का निष्कर्ष निकाल सकते हैं।

(ii) विद्यार्थी प्रत्यय से सम्बन्धित परिकल्पनाओं का निर्माण करने की योग्यता रखते हैं।

(i) विद्यार्थी प्रत्यय का विस्तार पूर्वक वर्णन कर सकते हैं

(३) विद्यार्थी प्रत्यय से सम्बन्धित संश्लेषण कर सकते हैं।

सामान्य **सहायक सामग्री** :→ चाक, डैस्टर, पोइन्टर, ब्लैकबो

विशिष्ट ,, →

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(१) संज्ञा किसे कहते हैं?	किसी वस्तु स्थान या प्रा के नाम को संज्ञा कहते है।
(२) सर्वनाम किसे कहते हैं?	संज्ञा के स्थान पर प्रयु होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते है।
(३) प्रश्नशब्द किसे कहते हैं?	जब हम एक अक्षर को दूसरे अक्षर के साथ जोड़ते है तो जो नया अक्ष बनता है उसे हम शब्द कह
(४) प्रत्यय किसे कहते हैं?	?

उपविषय की उद्घोषणा :→ "अच्छा तो बच्चो आज हम प्रत्यय के विषय में विस्तार पूर्वक पढ़ेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा क्रियाएँ
प्रत्यय का अर्थ	"वे शब्द जिनका किसी शब्द या धातु से विधान किया जाता है। प्रत्यय कहलाता है" जो शब्दांश संज्ञा सर्वनाम और क्रिया आदि के अन्त में लगकर अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं वे प्रत्यय कहलाते हैं।	
प्रत्यय के भेद-	प्रत्ययों को हम मुख्य रूप से तीन भागों में बाँटते हैं। (1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय (3) स्त्री प्रत्यय	
प्रश्न-	प्रत्यय की परिभाषा दीजिए ?	जो शब्दांश संज्ञा सर्वनाम और क्रिया आदि के अन्त में लगकर अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। वे प्रत्यय कहलाते हैं

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न :-	प्रत्यय के कितने भेद है ?	तीन भेद है :- (1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय (3) स्त्री प्रत्यय
कृत प्रत्यय की परिभाषा	किसी धातु सेसंज्ञा-वाचक या विशेषण आदि शब्द बनाने के लिए हम जिन प्रत्ययों का प्रयोग करते है उन्हे कृत प्रत्यय कहते है।	
शतृ प्रत्यय	धातु में शतृ प्रत्यय लगने पर शतृ के स्थान पर अत् शेष रहता है जैसे:- पठ + शतृ = पठत् भू + शतृ = भवत् धाव + शतृ = धावत् लिख + शतृ = लिखत्	
प्रश्न :->	शतृ प्रत्यय किसे कहते है ? कोई एक उदाहरण दीजिए	धातु में शतृ प्रत्यय लगने पर शतृ के स्थान पर अत शेष रहता है जैसे:- भू + शतृ = भवत

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
कत्वा प्रत्यय :-	धातु में कत्वा प्रत्यय लगने पर कत्वा के स्थान पर त्वा हो जाता है जैसे :→ धातु प्रत्यय शब्द नी + कत्वा = नीत्वा गम् + कत्वा = गत्वा श्रु + कत्वा = श्रुत्वा भू + कत्वा = भूत्वा	
प्रश्न :→	कत्वा प्रत्यय का उदाहरण दीजिए ?	श्रु + कत्वा = श्रुत्वा गम्+कत्वा = गत्वा
तव्यत प्रत्यय :-	धातु में तव्यत् प्रत्यय लगने पर तव्यत् के स्थान पर तव्य शेष रहता है। जैसे :→ गम + तव्यत् = गन्तव्य हन् + तव्यत् = हनतव्य वद् + तव्यत् = वदितव्य कृ + तव्यत् = कर्तव्य	
तुमन् प्रत्यय	धातु में तुमन् प्रत्यय लगने पर तुमुन के स्थान पर तुम हो जाता है जैसे :- पठ + तुमन् = पठितुम् दा + तुमन् = दातुम्।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
क्तवतु प्रत्यय :-	धातु में क्तवतु प्रत्यय लगने पर क्तवतु के स्थान पर तवत् हो जाता है जैसे:- गम् + क्तवतु = गतवत् पठ् + क्तवतु = पठितवत् लभ् + क्तवतु = लब्धवत् कृ + क्तवतु = कृतवत्	
प्रश्न	क्तवतु प्रत्यय का उदाहरण दीजिए	पठ + क्तवतु = पठितवत ।

पुनरावृत्ती :-

प्र01 प्रत्यय किसे कहते है ?

प्र02. क्तवतु प्रत्यय का उदाहरण दीजिए ?

प्र03 प्रत्यय के प्रकार बताइए ?

प्र04 शतृ प्रत्यय की परिभाषा दीजिए ?

गृहकार्य :-

प्र01 प्रत्यय की परिभाषा दीजिए ? और उसके भेदों की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए

Lesson No :...20.........

Date.....29-2-2012.......
Duration of the period.....................

Pupil Teacher's Name........प्रीति
Pupil Teacher's Roll No......729

Class.......9th
Average Age of the pupils........................

Subject.......संस्कृत
Topic.........सन्धि ([illegible])

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :–

[redacted]

(i) विद्यार्थी सन्धि को पहचानने के ~~[illegible]~~ योग्य ~~होते हैं~~ हो जाएंगे।

(ii) विद्यार्थी सन्धि के बारे ~~में प्रत्यास्मरण करते हैं~~ में जान जाएंगे।

[redacted]

(1) विद्यार्थी सन्धि के उदाहरण ~~को~~ दे ~~[illegible]~~ सकेंगे। ~~सकते हैं~~

(2) विद्यार्थी सन्धि का अर्थ बताने ~~में~~ योग्य ~~[illegible]~~ हो जाएंगे।

ता[redacted]

(1) विद्यार्थी सन्धि से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण करने ~~में~~ योग्य ~~होते हैं~~ हो जाएंगे।

(ii) विद्यार्थी सन्धि का निष्कर्ष निकाल सकेंगे ~~हैं~~।

[redacted]

(1) विद्यार्थी सन्धि का संश्लेषण कर ~~के योग्य हैं~~ सकेंगे।

(२) विद्यार्थी सन्धि का मूल्यांकन कर सकते हैं

सामान्य सहायक सामग्री :→ चाक, डैस्टर, पोस्टर, ब्लैक बोर्ड

विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(१) दो वर्णों के मेल को क्या कहते हैं?	शब्द
(२) दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को क्या कहते हैं?	वाक्य
(३) वर्णों के समूह को क्या कहते हैं?	वर्णमाला
(४) जब दो वर्ण परस्पर मिलते हैं तो उनके मेल को क्या कहते हैं?	?

उपविषय की उद्घोषणा :→ बच्चों आज हम सन्धि और उसके भेदों के विषय में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
सन्धि का अर्थ	सन्धि शब्द का अर्थ है मेल या जोड़। सन्धि हिन्दी तथा संस्कृत भाषा का महत्वपूर्ण अंग है। क्योंकि यह शब्द रचना के प्रमुख आधारों में से एक है। संस्कृत भाषा में सन्धि से आशय दो वर्णों के परस्पर मेल से है।	छात्र सुनते हैं
सन्धि की परिभाषा	जब दो शब्दों के वर्ण परस्पर मिलकर एकरूप हो जाते हैं तो उसे सन्धि कहते हैं।	
	सन्धि में यह मेल पहले शब्द के अन्तिम वर्ण और बाद वाले शब्द के प्रथम वर्ण में होता है	छात्र लिखते व समझते हैं।
	सन्धि करते समय दोनों शब्दों का आपस में मेल होना आवश्यक होता है	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
	दूर-2 स्थित शब्द मे सन्धि नही हो सकती है।	
प्रश्न :-	सन्धि किसे कहते है?	दो शब्दो के मेल को सन्धि कहते है।
सन्धि के भेद	सन्धि तीन प्रकार की होती है :—	
—	(1) स्वर सन्धि (2) व्यन्जन सन्धि (3) विसर्ग सन्धि	
(1) स्वर सन्धि	जब दो स्वरो के मिलने पर विकार उत्पन्न होता है। तब उसे स्वर सन्धि कहते है।	
स्वर सन्धि के प्रकार	स्वर सन्धि 5 प्रकार की होती है :→ (1) दीर्घ सन्धि	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(२) (३) (४)	गुण संधि वृद्धि सन्धि यण सन्धि ।	
दीर्घ सन्धि	सूत्र ! अकः सवर्णे दीर्घः अर्थात् जब ह्रस्व या दीर्घ अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ वर्णों के पश्चात इनके सुवर्ण आते हैं तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई ऊ और ऋ बन जाते हैं। यह दीर्घ सन्धि कहलाती है। जैसे :- हिम! + आलय = हिमालय; विद्या + अर्थी = विद्यार्थी	
प्रश्न;	दीर्घ सन्धि का कोई उदाहरण दीजिए ?	रवि + इन्द्र = रवीन्द भानु + उदय = भानूदय
२) गुण सन्धि	सूत्र :- आद्गुणः अर्थात जब अ या आ के बाद इ या ई, उ या ऊ और ऋ हो तो क्रमशः	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
	ए ओ स्वर हो बदल हो जाता है उदाहरण :— रमा + ईशः = रमेशः महा + उत्सव = महोत्सव		
प्रश्न —	गुण सन्धि का कोई उदाहरण दीजिए	रमा + ईशः रमेशः ।	

पुनरावृत्ती :—

(1) सन्धि किसे कहते हैं ?
(2) सन्धि के प्रकार बताइए ?
(3) हिम + आलय किस सन्धि का उदाहरण है ?

गृहकार्य :—

प्र०1 सन्धि का अर्थ तथा उसके भेदों सहित व्याख्या कीजिए ?

DISCUSSION
LESSON - II

Lesson No : ५

Date 6-3-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name प्रीति
Pupil Teacher's Roll No. 729
Class 7th
Average Age of the pupils 12वर्ष
Subject संस्कृत
Topic कारक विभक्ति

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

[redacted]

(1) विद्यार्थी कारक विभक्ति के विषय में पहचानने की योग्यता रखते है।

(2) विद्यार्थी कारक व विभक्ति के बारे में प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते है।

[redacted]

(1) विद्यार्थी कारक व विभक्ति के उदाहरण देने की योग्यता रखते है।

(2) विद्यार्थी कारक व विभक्ति के सामान्यकरण करने की योग्यता रखते है।

[redacted]

(1) विद्यार्थी कारक व विभक्ति सम्बन्धित निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते है।

(2) विद्यार्थी कारक व विभक्ति सम्बन्धित परिकल्पना कर सकते है।

कौशलात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थी कारक या विभक्ति से सम्बन्धित संश्लेषण कर सकते है।

(2) विद्यार्थी कारक एवं विभक्ति से सम्बन्धित विश्लेषण कर सकते है।

सामान्य **सहायक सामग्री :→** चॉक, डस्टर, संकेतक आदि।
विशिष्ट " "

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
(1) अक्षर किसे कहते है?	अक्षर किसी भी भाषा के मूल आधार होते है। वह ध्वनि-2 इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सके।
(2) वर्ण किसे कहते है?	
(3) व्यंजन किसे कहते है?	जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़े
(4) कारक किसे कहते है?	?

उपविषय की उद्घोषणा :→ बच्चों आज हम विभक्ति और कारक के विषय में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
कारक की परिभाषा	जिन शब्दों का क्रिया के साथ सीधा सम्बन्ध होता है। उन्हे कारक कहते है। जैसे :- "रामः पुस्तकं पठति।" (राम पुस्तक पढ़ता है) इस वाक्य में राम कर्ता है राम ~~क~~ पुस्तक कर्म है और पठति क्रिया है। यहाँ पर राम और पुस्तक पद पठति क्रिया के कर्ता कारक और कर्म कारक कहलाता है।	
प्रश्न !	कारक की परिभाषा दीजिए ?	जिन शब्दों का क्रिया के साथ सीधा सम्बन्ध होता है।
कारक के भेद :-	संस्कृत में सात विभक्तियाँ	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	और एक सम्बोधन होता है। इन सातों विभक्तियों के सात कारक होते हैं। परन्तु संस्कृत के व्याकरण सात कारकों में से "सम्बन्ध" को कारकों मानते इस प्रकार ~~कक~~ कारक के छः भेद हो जाते हैं जो इस प्रकार हैं:-	
प्रश्न ! →	कारक के कितने भेद हैं ?	सात भेद है।

विभक्ति	कारक	चिह्न
प्रथमा	कर्ता	ने
द्वितीया	कर्म	को
तृतीया	करण	से के द्वारा
चतुर्थी	सम्प्रदान	को के लिए
पंचमी	अपादान	से (अलग)
षष्ठी	सम्बन्ध	का, के की
सप्तमी	अधिकरण	में, पर
सम्बोधन	सम्बोधन	हे अरे

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न!	कारक किसे कहते है?	जिन शब्दों का क्रिया के साथ सीधा सम्बन्ध होता है कारक कहलाता है।
प्रथमा विभक्ति	संस्कृत में छः कारक और सात विभक्तियाँ है। क्रिया को करने वाला कर्ताकारक कहलाता है। जैसे :- (1) मोहनः गृह गच्छति।	
प्रश्न!	प्रथमा विभक्ति का कोई उदाहरण दीजिए	रामेण रावणः हन्यते।
द्वितीया विभक्ति	जिस पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है उसमें द्वितीया विभक्ति आती है। उसे कर्म कारक कहते हैं जैसे :- (1) कमला पाठशाला गच्छति	

पुनरावृती :→

प्रश्न :- कारक किसे कहते है?

प्रश्न :- द्वितीया विभक्ति का कोई उदाहरण दीजिए?

गृहकार्य :→

प्र०1 कारक के अर्थ तथा भेद बताइए?

प्र०2 तृतीया विभक्ति की परिभाषा दीजिए

OBSERVATION LESSONS

Observation Lesson No.

Date 4-2-2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name सोनिया

Pupil Teacher's Roll No. 70

Class 9th

Average Age of the pupils 16 वर्ष

Subject हिन्दी

Topic

① पूर्वज्ञान परीक्षण अच्छा था।

(2) आवाज अच्छी थी

(3) श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।

(4) पुनरावृती की गई।

(5) गृह-कार्य दिया गया।

Sonia

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date 6-2-2012

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name रीना

Pupil Teacher's Roll No. 714

Class 6th

Average Age of the pupils 10 वर्ष

Subject गणित

Topic साख्यिकी

(1) कक्षा पर नियन्त्रण था।

(2) पाठ प्रस्तुतीकरण अच्छा था।

(3) चाक,(बोर्ड) का प्रयोग किया।

(4) गृह कार्य दिया गया।

Reena

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date 8-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name रेणू
Pupil Teacher's Roll No. 722
Class 6th
Average Age of the pupils 10वर्ष
Subject हिन्दी
Topic वचन

(1) पूर्व ज्ञान परीक्षण लिया गया।

(2) पाठ प्रस्तुतीकरण अच्छा था।

(3) श्यामपट्ट कार्य किया गया।

(4) पुनरावृती की गई।

Renu
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Superv

Observation Lesson No.

Date 9-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name नीधी
Pupil Teacher's Roll No. 794
Class 8वी
Average Age of the pupils
Subject हिन्दी
Topic विशेषण व उसके भेद

(1) पूर्वज्ञान परीक्षण अच्छा था।
(2) श्यामपट्ट कार्य अच्छा था।
(3) बच्चों से क्रियों में भी प्रश्न पूछे गये।
(4) कक्षा - कक्ष का अनुशासन ठीक था।
(5) आवाज अच्छी थी

Nidhi
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Superv

Observation Lesson No.

Date 16-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name Suresh Kumar
Pupil Teacher's Roll No.
Class 8th
Average Age of the pupils 12+
Subject Hindi
Topic बन्धन

* पूर्वज्ञान परीक्षण अच्छा नहीं था ।
* सहायक सामग्री का उचित प्रयोग किया गया ।
* आवाज अच्छी थी ।
* कक्षा - कक्ष का अनुशासन अच्छा था
* गृहकार्य दिया गया ।

Suresh Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date 13-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name मुशरफ खाँन
Pupil Teacher's Roll No. 705
Class 7th
Average Age of the pupils
Subject Life Science
Topic

(1) पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया ।
(2) चार्ट का प्रयोग किया गया ।
(3) कक्षा में अनुशासन था ।
(4) आवाज में उतार चढ़ाव था ।
(5) गृहकार्य दिया गया

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date 14-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name Rekha
Pupil Teacher's Roll No. 761
Class
Average Age of the pupils
Subject सामाजिक अध्ययन
Topic मौलिक कर्तव्य

(1) पाठ योजना प्रस्तुतीकरण - अच्छा था।
(2) कक्षा नियन्त्रित थी।
(3) बच्चो से प्रश्न पूछे गए।
(4) उदाहरणों का सटीक प्रयोग किया गया।
(5) पुनरावृत्ति नहीं किया गया।
(6) गृहकार्य दिया गया।

Rekha
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date 15-2-2012
Duration of the period
Pupil Teacher's Name जीवन जोशी
Pupil Teacher's Roll No. 709
Class
Average Age of the pupils
Subject Physical Science
Topic Chemical Reaction

(1) पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया।
(2) बच्चों के साथ अन्तः क्रिया अच्छी तरह की गई।
(3) कक्षा में अनुशासन था।
(4) सभी कौशलों का प्रयोग किया गया।
(5) गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date 19-2-2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name सुशील

Pupil Teacher's Roll No. 721

Class

Average Age of the pupils

Subject Maths

Topic Triangle

(1) पुर्वज्ञान परीक्षण किया गया ।
(२) कक्षा में अनुशासन था ।
(३) बच्चों से प्रश्न पूछे गए ।
(४) पुनरावृत्ति की गई ।
(५) गृहकार्य दिया गया ।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date 20-2-2012

Duration of the period

Pupil Teacher's Name राजकुमार

Pupil Teacher's Roll No. 736

Class

Average Age of the pupils

Subject Life Science

Topic Microorganism

(1) पुर्वज्ञान - परीक्षण किया गया ।
(२) बच्चों के साथ अन्त: क्रिया अच्छी तरह की गई ।
(३) कक्षा में अनुशासन था ।
(४) बच्चों से प्रश्न पूछे गए ।
(५) गृह कार्य दिया गया ।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor